cmyk

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 बुमराह की अनुपस्थिति में आक्रमण की अगुआई करने... | सम्पादकीय | दिल्ली का दम घुटा जा रहा, जनता... | राजस्थान में जियो का दबदबा बरकरार 5

वर्ष 12 अंक 128 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, रविवार 06 जुलाई 2025 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी है तो हम गुंडे : उद्धव-राज ठाकरे

आर.एन.एस

मुंबई। महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर शनिवार को मुंबई के वर्ली सभागार में रैली की। दोनों ने 48 मिनट तक हिंदी-मराठी भाषा विवाद, मुंबई-महाराष्ट्र, भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

कहा कि तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया। हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी है तो हम गुंडे हैं।

उद्धव और राज 20 साल बाद एक मंच पर नजर आए। आखिरी बार 2006 में बाला साहेब ठाकरे की रैली में साथ दिखे थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे।तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया÷ ये तीन भाषा का फॉर्मूला कहां से आया, ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आज सब कुछ अंग्रेजी में है। किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है।

हमारे बच्चे ही नहीं, सभी अंग्रेजी स्कूल में पढ़ें÷ हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम जाते हैं तो हमारी मराठी पर सवाल उठते हैं। लालकृष्ण आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े। दक्षिण में स्टालिन, कनिमोझी, जयललिता, नारा लोकेश, आर रहमान, सूर्या, सभी ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है। रहमान ने डायस छोड़ दिया जब एक वक्ता ने हिंदी में बोलना शुरू किया। बालासाहेब और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है, लेकिन वे मातृभाषा मराठी के प्रति बहुत संवेदनशील थे।

अगर आप किसी को पीटते हैं, तो वीडियो न बनाएं÷ चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं।

सीबीआई और ईडी के अनुरोध पर नीरव मोदी के भाई नेहल अमेरिका में गिरफ्तार

आर.एन.एस

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है, अधिकारियों ने शुक्रवार को पुष्टि की।

गिरफ्तारी 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में शामिल व्यक्तियों को न्याय के दायरे में लाने के भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्याय विभाग ने भारतीय अधिकारियों को सूचित किया है कि भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिकी अधिकारियों ने 4 जुलाई, 2025 को गिरफ्तार किया था।अधिकारियों ने कहा, ÷यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत प्रत्यर्पण अनुरोध के अनुसरण में की गई है।÷

अमेरिकी अभियोजन पक्ष द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो मामलों में की जा रही है

एक मामला धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 3 के तहत धन शोधन का है, तथा दूसरा मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी और 201 के तहत आपराधिक षड्यंत्र का है।

नेहल मोदी अरबों डॉलर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में भारत में वांछित है, जो देश के इतिहास में सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है।

मध्य प्रदेश के 20 शहरों में भारी बारिश काशी में मणिकर्णिका घाट डूबा

आर.एन.एस

नई दिल्ली। 20 शहरों में शुक्रवार को भारी बारिश हुई। मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों में रेड अलर्ट रहा। जबलपुर में गैस सिलेंडर वाला ट्रक पानी में डूब गया। मंडला में बाढ़ की स्थिति है। टीकमगढ़ में 24 घंटे में 6 इंच पानी गिरा है।

यूपी में काशी के महाश्मशान मणिकर्णिका घाट के ज्यादातर शवदाह वाले प्लेटफार्म गंगा नदी में डूब गए हैं। शवों का अंतिम संस्कार घाट की छत पर करना पड़ रहा है। आसपास के छोटे मंदिर भी जलमग्न हो चुके हैं। राजस्थान में 1 जून से अब तक 167.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 137त्न ज्यादा है। वहीं, लगातार मानसून एक्टिव होने से अब एक भी जिला सूखा नहीं है। जबकि पिछली जुलाई के पहले हफ्ते तक 14 जिले सूखे की चपेट में थे।

हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश तबाही मचा रही है। उफनती नदियों से 14 पुल बह गए हैं। प्रदेश की 500 सड़कें पूरी तरह से बंद हैं। कांगड़ा, मंडी, चंबा और शिमला जिलों में भारी बारिश के चलते बाढ़ और लैंडस्लाइड से 69 लोगों की जान चली गई। सबसे बुरी स्थिति मंडी जिले में है, जहां 17 लोग मारे गए और 40 अभी भी लापता हैं।

उत्तरप्रदेश में भी तेज बारिश जारी है। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में आधा से ज्यादा डूब गया। इसके अलावा पंडा-पुरोहितों की 300 से ज्यादा चौकियां डूब गईं। यहां गंगा का जलस्तर 4 दिन में 15 फीट तक बढ़ा है। शुक्रवार रात 11 बजे तक गंगा का जलस्तर 62.63 मीटर दर्ज किया गया। खतरे का निशान 71.262 है।

अमरनाथ यात्रा : चंदरकोट में काफिले की बसें टकराईं, 36 घायल

आर.एन.एस

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई। रामबन जिले में चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए हैं। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में टकरा गईं।

खबर मिलते ही रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायल तीर्थयात्रियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रामबन ले जाया गया है। बाकी यात्रियों को दूसरी गाड़ियों से पहलगाम के लिए रवाना किया गया है।

इससे पहले भारी बारिश के बावजूद 6,900 से तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ है। इस जत्थे में 5196 पुरुष, 1427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु और साध्वी तथा एक ट्रांसजेंडर शामिल है।

यात्रा शुरू होने के दूसरे दिन शुक्रवार शाम 7 बजे तक 26,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन कर लिए थे। यह संख्या बढ़कर 30 हजार हो गई है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी।

तेलंगाना फैक्ट्री धमाका में मरने वालों का आंकड़ा 40 हुआ, 9 लापता

आर.एन.एस

तेलंगाना। तेलंगाना की फॉर्मा फैक्ट्री धमाके में मरने वालों का आंकड़ा शनिवार को 39 से बढ़कर 40 हो गया। जिले के एडिश्नल कलेक्टर चंद्रशेखर बडुगु ने बताया कि आज सुबह एक और घायल मजदूर की मौत हो गई। अब 19 घायलों का इलाज चल रहा है, जबकि नौ लोगों की तलाश जारी है।

हादसा 30 जून को पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था। घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे। उस दिन रेस्क्यू और मेडिकल टीम ने 31 शव बरामद किए थे।

रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की आशंका जताई गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्करूनेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को ?2 लाख और घायलों को ?50 हजार की मदद की घोषणा की थी।

वहीं, कंपनी ने मृतकों के परिजन को 1 करोड़ रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 10 लाख रुपए और अन्य घायलों को 5 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की थी।

एक मजदूर ने बताया कि वह 30 जून की सुबह 7 बजे नाइट शिफ्ट पूरी करके बाहर निकला था। सुबह की शिफ्ट का स्टाफ अंदर आ चुका था। धमाका करीब 8 बजे हुआ। शिफ्ट शुरू होने पर मोबाइल जमा हो जाता है, इस वजह अंदर काम कर रहे लोगों की कोई खबर नहीं मिल पाई।

एक मजदूर के परिवार की महिला ने बताया कि उनके परिवार के चार लोग फैक्ट्री में काम करते हैं। इनमें उनका बेटा, दामाद, जेठ और देवर शामिल हैं। इनमें से तीन सुबह की शिफ्ट में थे।

बीजेपी से समझौता चुनावी - एआईएडीएमके

आर.एन.एस

नई दिल्ली। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी ने शनिवार को साफ कर दिया कि राज्य में बीजेपी के साथ गठबंधन में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम बड़ा भाई है। उन्होंने कहा कि कोई भी पार्टी चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो हम पर हावी नहीं हो सकती।

पलानीस्वामी ने कहा कि AIADMK तमिलनाडु में 30 साल से ज्यादा समय तक सत्ता में रही है। अगर गठबंधन 2026 विधानसभा चुनाव जीतता है तो राज्य में कोई गठबंधन सरकार नहीं होगी। यह समझौता केवल चुनाव के लिए है।

पलानीस्वामी ने बताया कि पार्टी 7 जुलाई को कोयंबटूर से चुनावी अभियान शुरू करेगी। भाजपा का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि सभी गठबंधन सहयोगियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम के लिए भी दरवाजे खुले होने की बात कही।

हालांकि, टीवीके ने 4 जुलाई को प्रस्ताव पारित कर विजय को पार्टी का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इस दौरान विजय ने कहा था कि पार्टी तमिलनाडु चुनाव में डीएमके या बीजेपी के साथ किसी तरह का गठबंधन नहीं करेगी।

गृहमंत्री अमित शाह ने 11 अप्रैल को चेन्नई में बीजेपी और AIADMK गठबंधन का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव AIADMK प्रमुख ई पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। सीट का बंटवारा बाद में होगा।

शाह ने कहा था कि गठबंधन को लेकर AIADMK की कोई डिमांड नहीं है, न ही बीजेपी उनके अंदरूनी मामलों में कोई हस्तक्षेप करेगी। पार्टी का एनडीए में शामिल होना दोनों के लिए ही बहुत फायदेमंद है।

पुंछ में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, तीन हैंडग्रेनेड समेत हथियारों का जखीरा बरामद

आर.एन.एस

नई दिल्ली। पुंछ में सुरनकोट तहसील के बैहराम गल्ला के डैर क्षेत्र में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकी ठिकाना ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में सुरक्षा बलों को भारी मात्रा में हथियार और सामान बरामद हुए हैं।

सुरक्षाबलों ने बताया कि इस ठिकाने से तीन हैंडग्रेनेड, गोलियां, चार्ज लीड, सरिया राड, वायर कटर, चाकू, पैंसिल सैल, लाइटर सहित कई अन्य सामग्री बरामद की गई है।

यह तलाशी अभियान इलाके में सुरक्षा हालात की समीक्षा और आतंकवादियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के तहत चलाया गया था। सुरक्षा बलों की सतर्कता और कड़ी मेहनत के चलते यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है।

शुभांशु शुक्ला ने किया हड्डियों पर गुरुत्वाकर्षण के असर का अध्ययन, बीमारियों के इलाज में मिलेगी मदद

आर.एन.एस

नई दिल्ली। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अभी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर हैं। एक दिन के आराम के बाद वह अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में हड्डियों पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) के असर का अध्ययन कर रहे हैं। यह प्रयोग यह जानने के लिए किया जा रहा है कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी से हड्डियों पर क्या असर पड़ता है और यह जानकारी धरती पर ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की बीमारी) जैसी बीमारियों के उपचार में कैसे मदद कर सकती है।

मिशन के दसवें दिन शुक्ला ने एक और प्रयोग में हिस्सा लिया, जिसमें आईएसएस पर विकिरण (ऊर्जा का उत्सर्जन और उसका एक जगह से दूसरी जगह फैलना) के संपर्क की निगरानी की गई। यह प्रयोग यह जानने के लिए किया गया है कि लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को विकिरण से कैसे बेहतर सुरक्षा दी जा सकती है।

अंतरिक्ष में शुभांशु शुक्ला को मिला %शक्स% कोड नाम

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में जन्मे शुभांशु शुक्ला (39 वर्षीय) एक्सिओम स्पेस की ओर से संचालित 14 दिन की इस अंतरिक्ष यात्रा का हिस्सा हैं। मिशन में उनका कोड नाम %शक्स% है और वह मिशन के पायलट की भूमिका निभा रहे हैं। इस मिशन की कमान अमेरिका की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन के हाथों में है। इस टीम में हंगरी के टिबोर कापु और पोलैंड के स्लावोस्ज उजनान्स्की-विस्निएव्स्की मिशन विशेषज्ञ के रूप में शामिल हैं।

वक्फ कानून : केंद्र सरकार ने नए नियमों का नोटिफिकेशन जारी किया

केंद्र सरकार ने यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट रूल्स, 2025 का नोटिफिकेशन जारी किया है। ये नियम वक्फ संपत्तियों के पोर्टल और डेटाबेस, उनके पंजीकरण, ऑडिट और खातों के रखरखाव से जुड़े हैं। नए नियमों के तहत एक केंद्रीकृत पोर्टल और डेटाबेस बनाया गया है, जिसमें देशभर की वक्फ की पूरा रिकॉर्ड दर्ज होगा। इसमें वक्फ संपत्तियों की सूची अपलोड करना, नया पंजीकरण, वक्फ रजिस्टर का रखरखाव, खातों की जानकारी देना, ऑडिट रिपोर्ट प्रकाशित करना और बोर्ड के आदेशों को दर्ज करना शामिल है।

वक्फ संपत्ति का प्रबंधक (मुतवल्ली) अपने मोबाइल नंबर और ईमेल के जरिए ह्ल्ररूक्कसे लॉगिन करके पोर्टल पर रजिस्टर करेगा। इसके बाद वक्फ और उसकी संपत्ति का विवरण अपलोड कर सकेगा।

नई वक्फ संपत्ति को बनने के तीन महीने के अंदर पोर्टल पर फॉर्म 4 में पंजीकरण कराना होगा। वक्फ बोर्ड पोर्टल पर फॉर्म 5 में वक्फ का रजिस्टर बनाए रखेगा। नए नियम वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत बनाए गए हैं, जो 8 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में वक्फ डिवीजन के प्रभारी संयुक्त सचिव इस पोर्टल और डेटाबेस की निगरानी और नियंत्रण करेंगे। राज्य को संयुक्त सचिव स्तर का नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा। केंद्र की सलाह से सेंट्रलाइज्ड सपोर्ट यूनिट बनेगी।

रूस लड़कियों को बच्चे पैदा करने के 1 लाख दे रहा, जंग में बड़ी सेना बनाना मकसद

आर.एन.एस

नई दिल्ली। रूस में कम उम्र की लड़कियों को गर्भवती होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार बच्चे को जन्म देने और उसका पालन-पोषण करने के लिए इन्हें करीब एक लाख रुपए की मदद दे रही है।

यह योजना मार्च 2025 में रूस के 10 हिस्सों में शुरू हुई है। इसका मकसद देश में कम होती जनसंख्या और बढ़ती उम्र के लोगों की समस्या को दूर करना है। पहले यह योजना सिर्फ बालिग (18 साल से ऊपर) महिलाओं के लिए थी। लेकिन अब इसमें नाबालिग लड़कियों को भी शामिल कर लिया गया है, ताकि वे भी बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित हों। रूस में 2023 में प्रति महिला औसत जन्म दर 1.41 थी, जबकि आबादी को स्थिर रखने के लिए 2.05 की दर जरूरी मानी जाती है। इसलिए रूस सरकार ऐसी योजनाएं चला रही है, जिन्हें 'प्रोनेटलिस्ट नीतियां' कहा जाता है। इनका मकसद लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करना है।फिलहाल आबादी के लिहाज से रूस दुनिया का नौवां सबसे बड़ा देश है, लेकिन वहां जनसंख्या कम होने का खतरा बढ़ रहा है। रूस में स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियों को बच्चे पैदा करने के लिए पैसे देना काफी विवादित फैसला है। रूस में हुए एक सर्वे के मुताबिक 43 प्रतिशत लोग इस नीति के पक्ष में हैं, जबकि 40 प्रतिशत इसका विरोध कर रहे हैं।

पुरी में बहुड़ा यात्रा की सुरक्षा में 10 हजार जवान तैनात

आर.एन.एस

नई दिल्ली। ओडिशा के पुरी में बहुड़ा यात्रा शुरू हो गई है। इस यात्रा में महाप्रभु जगन्नाथ का नंदीघोष रथ, बलभद्र का तालध्वज और देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ गुंडिचा मंदिर से जगन्नाथ जी के मुख्य मंदिर लौटते हैं। रथ यात्रा की शुरुआत इस बार 27 जून को हुई थी और 28 जून को तीनों गुंडिचा मंदिर पहुंचे थे। यह जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर स्थित है। यहां भगवान अपनी मौसी के यहां ठहरते हैं।

बहुड़ा यात्रा के लिए गुंडिचा मंदिर के बाहर, भक्तों की भारी भीड़ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 10,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

श्री जगन्नाथ ट्रस्ट के मुताबिक पुरी के राजा गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब दोपहर 2.30 बजे से 3.30 बजे के बीच रथों की औपचारिक सफाई करेंगे। इसके बाद रथों पर घोड़े लगाए जाएंगे। रथ खींचने का काम शाम 4 बजे होगा।

रविवार (29 जून) तड़के करीब 4 बजे गुंडिचा मंदिर में भगदड़ मच गई थी। इसमें 3 लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 50 लोग घायल हो गए थे। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुट गई थी, इसी दौरान भगदड़ मची।

पोस्टर का किया विमोचन, 16 जुलाई को होगा प्रतिभा सम्मान समारोह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चाकसू । पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया से शनिवार को अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष व पूर्व राज्यमंत्री विकेश खोलिया ने जयपुर स्थित उनके निजी आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर खोलिया ने चाकसू में आगामी 16 जुलाई को आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर उन्हें आमंत्रित किया। इस मुलाकात के दौरान कार्यक्रम के पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने समारोह के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। विकेश खोलिया ने आग्रह किया कि पूर्व मुख्यमंत्री राजे इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करें और प्रदेश की प्रतिभाओं का हौसला बढ़ाएं। समारोह की मुख्य प्रेरणा रहेंगी उर्मिला रैगर। जिन्होंने राजस्थान बोर्ड 12वीं परीक्षा में 99.60त्न अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में टॉप किया और समाज को गौरवान्वित किया है। खोलिया ने उन्हें गोद लेकर उनकी संपूर्ण शैक्षिक जिम्मेदारी उठाने की घोषणा की है। खोलिया ने बताया कि चाकसू विधानसभा क्षेत्र, निवाई, पीपलू, दत्तवास, मित्रपुरा, बोलीं, लालसोट और गोनेर क्षेत्र से 80त्न या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले करीब 200 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम अभिनव शैक्षिक एवं सामाजिक विकास संस्थान की ओर से मानव ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन कैम्पस, चाकसू में किया जाएगा। इस मौके पर डॉ. अर्चना सिंह नाग, मुकेश रानी, राजेश चौधरी, गणेश शर्मा, कैलाश, राकेश, रामप्रसाद व चंदन शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा किया गया भवानी निकेतन मंडल के कार्यालय का उद्घाटन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी विद्याधर नगर विधानसभा के भवानी निकेतन मॉडल के कार्यालय का उद्घाटन राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा किया गया उद्घाटन समारोह में जयपुर शहर भाजपा के जिला अध्यक्ष अमित गोयल अतिथि रहे । दिया कुमारी द्वारा फीता काटकर मंडल कार्यालय का उद्घाटन किया और मंडल की नवगठित कार्यकारणी द्वारा दिया कुमारी और अमित गोयल का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंडल अध्यक्ष जयंत कुमावत में बताया कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के अंतर्गत विद्याधर नगर विधानसभा के भवानी निकेतन मंडल की कार्यकारिणी की घोषणा होने पर माननीय दिया कुमारी

का आभार व्यक्त किया और जिला अध्यक्ष अमित गोयल को विश्वास दिलाया संपूर्ण मंडल के कार्यकर्ता मिलकर संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा किए गए कार्यों को जनता तक पहुंचाने का काम करेंगे । मंडल अध्यक्ष जयंत कुमावत द्वारा मंडल की तरफ से दिया कुमारी और जिला अध्यक्ष अमित गोयल का आभार व्यक्त किया।

छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह हुआ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चाकसू। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ग्राम कुम्हारियावास में 10वीं व 12वीं के श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह हुआ। भाजपा जिला मंत्री उमा शर्मा मुख्य अतिथि रही। संस्था प्रधानाचार्य मुकेश शर्मा ने अतिथि का स्वागत किया।

एयू जयपुर मैराथन 2026 का भव्य पोस्टर हाउस ऑफ कॉमन्स, लंदन में हुआ लॉन्च

भारत गौरव अवॉर्ड्स के मंच से मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर । संस्कृति युवा संस्था द्वारा ब्रिटेन संसद हाउस ऑफ कॉमन्स में आयोजित भारत गौरव अवॉर्ड्स के अवसर पर 17वी एयू जयपुर मैराथन 2026 का भव्य पोस्टर लॉन्च किया गया। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा, जिसे वहां उपस्थित अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और भारतीय समुदाय ने अत्यंत सराहा। वर्ल्ड ट्रेड पार्क और संस्कृति युवा संस्था द्वारा एयू स्माल फाइनेंस बैंक के सहयोग से एयू जयपुर मैराथन के अब तक सोलह संस्करण हो चुके हैं। पोस्टर का विमोचन लंदन के सांसद नवेन्दु मिश्रा, यूके में पूर्व सांसद रहे वीरेंद्र शर्मा, हाउस ऑफ लॉर्ड्स

सदस्य रेमी रेंजर, हाउस ऑफ लॉर्ड्स पूर्व मंत्री बेरोनिस संदीप वर्मा, प्रयाग महाकुंभ सलाहकार राकेश कुमार शुक्ला, लंदन पूर्व मेयर सुनील चौपड़ा, संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा, एयू जयपुर मैराथन सिर्फ एक मैराथन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, स्वास्थ्य जागरूकता और वैश्विक एकता का प्रतीक है। यह आयोजन शारीरिक, मानसिक और सांस्कृतिक रूप से लोगों को जोड़ता है। हमें गर्व है कि इसके 17वें संस्करण का शुभारंभ विश्व लोकतंत्र के केंद्र हाउस ऑफ कॉमन्स, लंदन से हुआ, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। 1 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाली एयू जयपुर मैराथन की यह ऐतिहासिक घोषणा एक नई वैश्विक शुरुआत का संकेत है कृ एक भारत, जो दौड़ रहा है, जुड़ रहा है और गर्व से आगे बढ़ रहा है। आईआईईएमआर के निदेशक और एयू जयपुर मैराथन के सीईओ मुकेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि, एयू जयपुर मैराथन 2026 के लिए पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। इच्छुक प्रतिभागी आयोजन की जयपुर मैराथन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। प्रारंभिक चरण में रजिस्ट्रेशन कराने वालों को 50त्न की विशेष छूट भी प्रदान की जा रही है, जिससे अधिक से अधिक लोग इस उत्सव का हिस्सा बन सकें। इस अवसर पर हिंदुस्तान जिंक की संस्थापक व चेयरमैन श्रीमती किरण अग्रवाल, चेन्नई के उद्योगपति व समाजसेवी सुनील खेतपालिया, कवि, लेखक व गीतकार मनोज मुन्तशिर, अंतरराष्ट्रीय लोक कलाकार पद्मश्री गुलाबो सपेरा, ब्रिटिश आर्मी अधिकारी मेजर मुनीष चौहान, हृदय रोग विशेषज्ञ, डा. तेजस पटेल, सीए चन्द्रशेखर शारदा, प्रमुख उद्यमी प्रवीण चंदन, सामाजिक नेतृत्वकर्ता श्रीकुमार तोशनीवाल, एसके फाइनेंस लिमिटेड से श्रीमती शालिनी राजेन्द्र कुमार सेतिया, मैरियट होटल इंटरनेशनल की वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती रंजू एलेक्स, प्रमुख टेक उद्यमी विष्णु अप्पाडु, राजवीर सिंह, हरबीर सिंह नाट, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती संजना करनानी, फैशन डिज़ाइनर पद्मश्री माधव अगस्ती, युवा इंटरप्रेन्योर मयंक शाह, ललित दुआ, आशीष मित्तल, केटो आर्गेनाईज़ेशन के सीईओ वरुण सेठ, हेड ऑफ एविएशन फाइनेंस, इंवेस्टेक बैंक अजीत नारायण, इंडोनेशिया के आध्यात्मिक आचार्य डा. आई मेड दरमयासा आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

रामाश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव 10 को, बड़ी संख्या में आएंगे सत्संगी और श्रद्धालु

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। खादी ग्राम उद्योग परिसर में 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन रामाश्रम सत्संग संस्था की ओर से किया जाएगा। सुबह 9:30 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में देशभर से सत्संगी, श्रद्धालु और अनुयायी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इस बार का महोत्सव संत अमित और मोहित महाराज के सान्निध्य में होगा। कार्यक्रम में सत्संग, भजन, गुरु वंदना और आध्यात्मिक प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, संतों द्वारा गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व, जीवन में गुरु की भूमिका और आध्यात्मिक साधना के विषय में मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। बता दें कि रामाश्रम सत्संग के संस्थापक डॉ. चतुर्भुज सहाय महाराज ने जीवनभर अध्यात्म और मानव कल्याण का संदेश दिया। उन्होंने अपने प्रवचनों में सदैव कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिन शिष्य और गुरु के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने का सबसे पावन अवसर है। डॉ. सहाय के अनुसार, इस दिन गुरु अपने शिष्यों को स्मरण करता है और शिष्यों को भी वर्ष में एक बार अपने गुरु के सानिध्य में अवश्य जाना चाहिए। यही कारण है कि रामाश्रम सत्संग परंपरा में गुरु पूर्णिमा पर्व को विशेष श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चाकसू। उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर चाकसू में सत्र 2024 -25 में कक्षा 10 और 12 बोर्ड परीक्षा मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तथा कक्षा 5 और 8 में सभी विषयों में ए ग्रेड लाने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नारायण लाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि घनश्याम बाहेती रहे। विद्यालय की 36 प्रतिभाओं को दुपट्टा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए नियमित अध्ययन, अनुशासन और आज्ञा पालन की सीख दी। संस्था प्रधान सुमेर सिंह शेखावत ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय प्रबंधन समिति के वरिष्ठ सदस्य सत्यनारायण सांवरिया सहित अन्य उपस्थित रहे। बालिका विभाग की प्रधानाचार्या सीमा शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

जयपुर को मिला एक नया स्वादिक उपहार Goyal,s Flavour Fuzion का शुभारंभ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर । शहर के फूड लवर्स के लिए एक खुशखबरी ! Goyal,s Flavour Fuzion - एक नया शुद्ध शाकाहारी कैफ़े-रूफटॉप-रेस्टोरेंट - अब आधिकारिक रूप से जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में खुला है। यह नया फूड डेस्टिनेशन स्वाद, संस्कृति और नवाचार का अद्वितीय संगम प्रस्तुत करता है।

कैफ़े की विशेषताएँ: Goyal,s Flavour Fuzion अपने मेहमानों को एक शुद्ध शाकाहारी भोजन का आनंद एक भव्य रूफटॉप वातावरण में देने का वादा करता है, जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मेल होगा। यहाँ न सिर्फ़ स्वादिष्ट व्यंजन मिलेंगे, बल्कि यह स्थान परिवारों, दोस्तों और युवाओं के लिए एक परफ़ेक्ट आउटिंग स्पॉट भी साबित होगा।

रेस्टोरेंट के ऑनर मयंक गोयल

में बताया कि इस अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों, स्थानीय गणमान्यजनों और फूड समीक्षकों को आमंत्रित किया गया है, ताकि वे इस नए अनुभव की पहली झलक लें और रेस्टोरेंट की भावना को करीब से जानें।

सावन के सोमवार का विशेष महत्व

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर । ज्योतिष परिषद एवं शोध संस्थान अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य डॉ पुरुषोत्तम गौड ने बताया कि सावन का महीना 11 जुलाई 2025 से शुरू होगा और इसका समापन 9 अगस्त 2025 को होगा. इस वर्ष सावन रक्षाबंधन के पर्व के साथ समाप्त होंगे जो इस बार 9 अगस्त को मनाया जाएगा ।सावन के महीने को बेहद खास महत्व दिया गया है. यह महीना भगवान शिव को समर्पित होता है. मान्यता है कि सावन का महीना देवों के देव महादेव को बेहद प्रिय है. इस महीने में महादेव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने से मनचाहा फल प्राप्त होता है और जीवन की समस्याएं दूर होती हैं.
डॉ .गौड के अनुसार, सावन के सोमवार का विशेष महत्व होता है. इस दिन व्यक्ति व्रत रखता है और शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र आदि अर्पित करके जलाभिषेक करते हैं.
14 जुलाई - पहला वन सोमवार व्रत, संकष्ट चतुर्थी
15 जुलाई - नागपंचमी

ज्योतिष परिषद एवं शोध संस्थान अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य डॉ पुरुषोत्तम गौड

21 जुलाई - दूसरा वन सोमवार व्रत, कामिका एकादशी
22 जुलाई - भौम प्रदोष मंगला गौरी पूजन
23 जुलाई- सावन शिवरात्रि
24 जुलाई - देव पितृ अमावस्या हरियाली अमावस्या
26 जुलाई - सिंजारा
27 जुलाई -हरियाली तीज
28 जुलाई - तीसरा वन सोमवार व्रत
29 जुलाई -नाग पंचमी
04 अगस्त - चौथा और अंतिम वन सोमवार व्रत
6 अगस्त -प्रदोष
9 अगस्त -रक्षाबंधन पूरा दिन शुद्ध है श्रावणी कर्म

इन चीजों का करें परहेज

सावन के महीने में तामसिक भोजन जैसे लहसुन-प्याज और मास-मदिरा से दूर रहें. इस पावन महीने में इन कामों को करने से महादेव अप्रसन्न हो जाते हैं.
मान्यता है कि इस महीने के दौरान बैंगन का सेवन भी नहीं करना चाहिए. सावन के पवित्र महीने में बाल-ढाड़ी या नाखून काटने से भी बचना चाहिए.

सावन के महीने में क्या करें
डॉ.गौड़ ने बताया कि सावन का महीना बेहद पवित्र माना जाता है. इस माह में रोजाना शिव जी की आराधना करने से भोलेनाथ जल्द प्रसन्न हो जाते हैं. शिवलिंग का अभिषेक करें और शिव मंत्र का जाप करें.
सावन के महीने में शाकाहारी भोजन ही करें और सोमवार का व्रत करें. व्रत के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन जरूर करें. पंडित गौड़ के अनुसार, इस महीने में दूध या उससे बनी चीजों का दान करना अत्यंत शुभ होता है.

पोद्दार परिवार की कुल देवी को समर्पित पुस्तक 'गंगा - एक दिव्य स्वरूप मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री को भेंट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस/ जयपुर। पोद्दार परिवार की कुल देवी को समर्पित एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ गंगा के पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व को उजागर करती विशेष पुस्तक गंगा ङ्क एक दिव्य स्वरूप को राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी को भेंट किया गया। इस अवसर पर पुस्तक की लेखिका अंशु हर्ष, सम्पादक कमला पोद्दार एवं कमला पोद्दार समूह के डायरेक्टर अभिषेक पोद्दार उपस्थित रहे। यह पुस्तक न केवल गंगा के धार्मिक महत्व को रेखांकित करती है, बल्कि उसमें जल संरक्षण, प्रकृति के प्रति आस्था और भारतीय संस्कृति के मूल्यों को भी सुंदरता से समाहित किया गया है।

जयपुर की आर्किटेक्ट रितु सिंह का काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर की कार्यकारी समिति में चयन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर की प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट और डिज़ाइन आर्किटेक्ट्स की संस्थापक, रितु सिंह को मुंबई में आयोजित चुनाव के बाद काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (सीओए) की कार्यकारी समिति में चुना गया है। काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर भारत में वास्तुकला और वास्तु शिक्षा को विनियमित करने वाली एक वैधानिक सर्वोच्च संस्था है। इसकी पांच-सदस्यीय कार्यकारी समिति प्रमुख निर्णय लेने वाली इकाई होती है, जो काउंसिल के प्रस्तावों को लागू करने और उसकी दिशा तय करने का कार्य करती है। रितु सिंह पिछले पांच वर्षों से काउंसिल की सक्रिय सदस्य रही हैं। वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा नियुक्त विजिटर्स नॉमिनी सदस्य के रूप में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), भोपाल की चयन समिति में भी शामिल हैं। इस अवसर पर रितु ने कहा, ÷यह मेरे लिए एक सम्मान और ज़िम्मेदारी दोनों है। मैं देश में वास्तुकला अभ्यास और शिक्षा को सशक्त बनाने में योगदान देने के लिए तत्पर हूं। इस क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक के पेशेवर अनुभव के साथ, सिंह एक पुरस्कार विजेता आर्किटेक्ट हैं, जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, हॉस्पिटैलिटी और पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कई प्रमुख बिल्डिंग्स को डिज़ाइन किया है। उनकी फर्म डिज़ाइन आर्किटेक्ट्स को नवाचारपूर्ण और स्थानीय सन्दर्भ के अनुरूप डिज़ाइन के लिए जाना जाता है। उनका कार्यकारी समिति में चुना जाना भारत में वास्तुकला के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक योगदान की एक महत्वपूर्ण मान्यता के रूप में देखा जा रहा है।

अपने जन्मदिन पर कम से कम पांच पौधे जरूर लगाएं-चौधरी

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधरोपण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जावला। शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह जगह पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। मौका था राजस्थान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम का। भाजपा नेता हुक्माराम बाजियां की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण सहित अन्य सेवा कार्य आयोजित किए। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी ने कहा कि पेड़ ही जीवन है। पेड़ पौधों के बिना जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। यदि पेड़ पौधे ना हो तो हम सब सांस नहीं ले सकते हैं इसलिए जीवन के लिए हम सब को संकल्प लेना चाहिए। वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाते रहना चाहिए। अपने जन्मदिन पर कम से कम पांच पौधे प्रतिवर्ष जरूर लगाएं। इस दौरान भाजपा नेता हुक्माराम बाजियां, नानूराम मेघवाल,

मंडल अध्यक्ष अमित आसोपा, विकास सोनी, भंवरलाल फौजी, सायर रांडा, मनीष लेगा, छोटूराम, रामेश्वर, मनमोहन सेन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खुशबू ने ताइक्कांडो एशिया कप में जीता गोल्ड

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। एकता नगर, धावास, हीरापुरा ,अजमेर रोड, जयपुर स्थित डी .एन .पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा खुशबु शेखावत ने नेपाल के पोखरा में आयोजित आठवीं एशिया कप ओपन इंटरनेशनल ताइक्कांडो प्रतियोगिताट्ट 2025 में भाग लेकर गोल्ड मेडल जीतकर अपने देश, प्रदेश तथा जिले का नाम रोशन किया है यह गोल्ड मेडल कोच सुरेंद्र सिंह के सानिध्य में जीता गया है विद्यालय निदेशक बी.पी .गुर्जर एवं सह निर्देशिका संतोष देवी गुर्जर ने छात्रा खुशबु शेखावत को साफा एवं गोल्ड मेडल देकर सम्मान किया साथ ही कोच सुरेंद्र सिंह का भी साफा एवं माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया ।

डेविड वॉल्टर्स ने 'सोल ट्रॉपिकल' की धुनों से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया, एलायंस फ्रांसेसे नेटवर्क इन इंडिया और जयपुर विरासत फाउंडेशन द्वारा आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस/ जयपुर। फ्रेंच-केरेबियन स्टार डेविड वॉल्टर्स ने अपने इंडिया टूर के तहत जयपुर के डिग्गी पैलेस में एक यादगार संगीतमय प्रस्तुति दी। इस अनूठे कॉन्सर्ट में वॉल्टर्स ने अपने लेटेस्ट एलबम 'सोल ट्रॉपिकल' की धुनों के माध्यम से श्रोताओं को सोल, फंक और ट्रॉपिकल रिदम्स से रू-ब-रू कराया। अफ्रो-केरेबियन रिदम और भारतीय शास्त्रीय एवं लोक संगीत के अद्भुत संगम से सजी यह शाम श्रोताओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई। वॉल्टर्स के साथ मंच पर भारत की दो

प्रतिष्ठित शास्त्रीय कलाकारों डॉ. शिवा व्यास और डॉ. प्रिया तिवाड़ी की प्रस्तुति ने संगीत में नए रंग भर दिए। प्रस्तुति के दौरान, डॉ. शिवा व्यास ने सितार की मधुर धुन से श्रोताओं को मन मोहित किया, वहीं, डॉ. प्रिया तिवाड़ी ने तबले की थाप से श्रोताओं में नई ऊर्जा का संचार किया। इस शाम का मुख्य आकर्षण एक विशेष जैम सेशन रहा, जिसमें राजस्थान की प्रख्यात लोक कलाकार ममता सपेरा ने अपनी अनूठी शैली में बीटबॉक्स और मोरचंग पर दमदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं में जोश भर दिया। लगभग 1.5 घंटे तक चली प्रस्तुति में कलाकारों द्वारा 8-9 संगीत के ट्रैक्स पेश किए गए, जो कि मुख्य रूप से इंप्रोवाइजेशन पर आधारित थे, लेकिन अपनी गहराई और भावपूर्ण प्रवाह से दर्शकों को बांधे रखा। गौरतलब है कि स्थानीय कलाकारों के साथ कोलैबोरेशन की श्रृंखला में बेंगलुरु और कोलकाता के बाद जयपुर में यह तीसरा आयोजन था। 'सोल ट्रॉपिकल' के ज़रिए वॉल्टर्स ने भारत और फ्रांस के बीच संगीत, भाषा और कला के ऐतिहासिक संबंधों को एक नई ध्वनि और पहचान प्रदान की। यह कॉन्सर्ट अंतरराष्ट्रीय %फेट डे ला म्यूज़िक% फेस्टिवल के अंतर्गत इंडिया टूर का एक विशेष हिस्सा था। इस इंडिया टूर का आयोजन फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया और एलायंस फ्रांसेसे नेटवर्क इन इंडिया द्वारा किया गया। जयपुर में कंसर्ट का आयोजन जयपुर विरासत फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य इंडो-फ्रेंच कल्चरल डायलोग के हिस्से के रूप में आपसी सहयोग, संगीत और विविधता को बढ़ावा देना है। दिल्ली, चंडीगढ़, भोपाल, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे भारत के 7 प्रमुख शहरों में सफल प्रस्तुतियों के बाद के बाद यह संगीतमय यात्रा जयपुर में आकर संपन्न हुई।

सभी विभागीय अधिकारी समन्वय के साथ शिविरों एवं विभागीय कार्यों में लाए प्रगति - डॉ. टीना सोनी

संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता मे समीक्षा बैठक सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर...कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की समीक्षा बैठक में निर्देश देती संभागीय आयुक्त डॉ. सोनी

धौलपुर। संभागीय आयुक्त डॉ टीना सोनी ने कहा कि जारी पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल योजना के तहत सभी जिला स्तरीय अधिकारी पंचायत स्तरीय अधिकारी अधिकारियों से बेहतर समन्वय बनाए रखें। संभागीय आयुक्त शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार मे राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं अन्य विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि सभी शिविरों से पूर्व प्री कैंप प्रभावी ढंग से आयोजित किए जाएं। विभिन्न विभागों द्वारा दी जा रही सेवाओं की आमजन को जानकारी देकर त्वरित ढंग से कार्य कराए जाएं। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को दिव्यागों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान प्रमाण पत्र त्वरित गति से उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा के तहत पात्र लोगों के अधिक से अधिक नाम जोड़े जाने हेतु निर्देशित किया। संभागीय आयुक्त ने समीक्षा बैठक में राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित खाद्य सुरक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, सिलिकोसिस नीति, कृषि, उद्योग सहित जिला परिषद की ठोस तरल कचरा प्रबंधन एवं मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिये।

उन्होंने आमजन की प्राप्त प्रकरणों का समय सीमा में निस्तारण करवाने, संबंधित शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करवाने सहित राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं से आमजन को अधिक से अधिक लाभान्वित करने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन समय पर दिलवाने के निर्देश दिये। संभागीय आयुक्त ने कृषि व उद्यान विभाग के अधिकारी को विभिन्न योजनाओं के तहत प्राप्त लक्ष्यों को समय सीमा मे पूर्ण करने, महिला एवं बाल विकास के तहत आंगनबाडी केन्द्रों पर नियमित पोषाहार वितरण की मॉनिटरिंग करने व गुणवत्ता का ध्यान रखने, पीएचईडी के अधिकारी को पेयजल की समुचित व्यवस्था करवाने, जल जीवन के तहत चल रहे कार्यों को समय पर पूर्ण करने सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं में लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश भी दिये।

बैठक में जिला कलेक्टर सिंह श्रीनिधि बीटी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े सहित राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बीचलाये जा रहे नवाचार आंचल अभियान के बारे में बिन्दुवार जानकारी दी एवं शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने एवं आमजन को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करवाने का भी आश्वासन भी दिया। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए एन सोमनाथ, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना, अधीक्षण अभियंता सानिवि, अधीक्षण अभियंता जल संसाधन सुरेश मीना, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी राजकिरण यादव सहित कृषि, शिक्षा, श्रम, रोजगार, पशुपालन, उद्योग सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

ताजिया मोहर्रम जुलूस को लेकर पुलिस और प्रशासन का फ्लैग मार्च

» बाड़ी... कस्बे के रास्तों का निरीक्षण करते पुलिस व प्रशासन

रूट चार्ट और कर्बला मैदान का किया निरीक्षण

झूलते बिजली तारों को दुरुस्त करने के निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। मोहर्रम की दसवीं तारीख को रविवार को बाड़ी शहर में ताजियों के जुलूस का आयोजन होगा। उक्त आयोजन को लेकर शनिवार को उपखंड प्रशासन,पुलिस और ताजिया मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारी के साथ बिजली विभाग की टीम ने जुलूस के रूट चार्ट का मौका निरीक्षण किया।

प्रशासन द्वारा पूरे रास्ते पर फ्लैग मार्च करते हुए बिजली के झूलते तारों को तुरंत ऊपर करने एवं लाइनों को मेंटेनेंस करने के साथ बसेड़ी रोड स्थित कर्बला मैदान पहुंचे साफ सफाई और कार्यक्रम की जानकारी ली। वर्षसं ने ताजिया मोहर्रम कमेटी को निर्देश दिए कि ताजियों को जितने भी रास्तों से लाया जाए, सभी जगह शांतिपूर्ण और सद्भाव के साथ जुलूस का आयोजन हो और भीड़ को नियंत्रित रखा जाए।

फ्लैग मार्च के दौरान बाड़ी तहसीलदार उत्तमचंद बंसल के साथ सर्किल अधिकारी सीओ महेंद्र कुमार, कोतवाली एसएचओ अमित शर्मा,डिस्कॉम के सहायक अभियंता आरडी मीना और बिजली विभाग की टीम के साथ अन्य अधिकारी और ताजिया मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष अकील कुरैशी,सचिव इसरार खान टेलर के साथ टाउन चौकी प्रभारी श्याम सुंदर शर्मा और पुलिस जाप्ता मौजूद रहा।

सर्किल अधिकारी महेंद्र कुमार ने बताया की ताजिया का आयोजन तीन रास्तों से होगा। मोहर्रम कमेटी ने जो जानकारी दी है। उसके अनुसार बसेड़ी रोड स्थित कर्बला मैदान पर सभी ताजिए सुपुर्दे-खाक किये जाएंगे। शहर में 18 चौकिया पर ताजिए आज रात शनिवार को रखे जाएंगे।और कल रविवार को दिन में जुलूस के साथ यह कर्बला मैदान पहुंचेंगे। जिसको लेकर प्रत्येक चौकी पर पुलिस जाप्ता तैनात किया है। आरएसी और होमगार्ड के जवानों का भी सहयोग लिया जा रहा है। उपखंड के सदर थाना, बसई डांग थाना और सोने का गुर्जा के साथ कंचनपुर थाना पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता भी लगाया है।

मोहर्रम कमेटी के सचिव इसरार खां ट्रेलर ने बताया आज रात 9 बजे से 12 बजे के बीच में सभी चौकियों पर ताजिए मुकाम लेंगे। कल दिन में एक बजे से शाम 6 बजे तक जुलूस का आयोजन होगा। शहर के तीन रास्तों से यह जुलूस बसेड़ी रोड स्थित कर्बला मैदान पहुचेगा। ताजियों को सुपुर्दे-खाक किए जाने के दौरान मोहर्रम कमेटी द्वारा एक आभार कार्यक्रम का भी आयोजन होगा।

'एक पेड़ मां के नाम'— हरियालो राजस्थान अभियान में वृक्षारोपण का लिया संकल्प

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बसेड़ी। बाबा भूतेश्वर मंदिर बसेड़ी में प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चल रहे हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण को लेकर संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष भाजपा राजवीर सिंह राजावत, गैंगसा यूनिट एसोसिएशन बसेड़ी जन प्रतिनिधि जिला महामंत्री मदन कोली, जिला महामंत्री नवल लोधा, सैंपऊ प्रधान दुष्यन्त बघेल, जिला मंत्री लोकेंद्र सिंह परमार, पूर्व जिला महामंत्री भानु प्रताप सिंह, रनवीर दंडोतिया, जिला महामंत्री युवा मोर्चा पुष्पेन्द्र राजावत, मण्डल अध्यक्ष भैरों सिंह, महामंत्री महेंद्र सिंह कोली, महामंत्री कविंद्र परमार, पिंटू सरपंच, धीरेंद्र परमार, संदीप परमार एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि बाबा भूतेश्वर की नगरी में अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण को समृद्ध बनाया जाएगा। हम सभी क्षेत्रवासियों, समाजसेवियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हैं कि 'एक पेड़ अपनी मां के नाम' अवश्य लगाएं और अपने गांव, शहर और प्रदेश को हरियाला बनाने में सहभागी बनें।

शिवानी को मिली राजस्व रिकॉर्ड में अपनी सही पहचान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राज्य सरकार द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के तहत 5 जुलाई 2025 को ग्राम पंचायत मछरिया में आयोजित शिविर ने एक महिला कृषक शिवानी के जीवन में बड़ी राहत और खुशियां ला दीं।

शिवानी पुत्री पृथ्वी, ग्राम मछरिया की भूमि अभिलेखों में वर्षों से एक गंभीर त्रुटि चली आ रही थी, जिसमें उसका नाम सिमानी दर्ज था। इस गलती के कारण वह कई सरकारी योजनाओं और कृषि सुविधाओं का लाभ लेने में बाधा महसूस कर रही थी। परिवार ने कई प्रयास किए, लेकिन रिकॉर्ड सुधार की प्रक्रिया उलझनों से भरी होने के कारण समाधान नहीं हो सका।

अंत्योदय शिविर में जब शिवानी ने अपनी समस्या शिविर प्रभारी वर्षा मीना, उपखंड अधिकारी राजाखेड़ा के सामने रखी, तो प्रशासन ने गंभीरता से इसे लिया और त्वरित कार्यवाही की। उपखंड अधिकारी ने तुरंत नायब तहसीलदार टीकेंद्र सिंह को मौके पर जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। नायब तहसीलदार की निगरानी में भू-अभिलेख निरीक्षक बबलु कुमार एवं पटवारी पुष्पेंद्र सिंह द्वारा मौके पर ही पूरी जांच की गई।

जांच के बाद पाया गया कि वाकई रिकॉर्ड में दर्ज नाम सिमानी गलत था और उसे शिवानी किया जाना आवश्यक था। इस आधार पर उपखंड अधिकारी ने मौके पर ही धारा 136 आईआर एक्ट के अंतर्गत नाम शुद्धि के आदेश पारित कर दिए और उसकी प्रति शिवानी को सौंप दी। शिवानी ने जब अपने सही नाम का दर्ज दस्तावेज हाथों में लिया, तो उसके चेहरे पर वर्षों बाद संतोष और आत्मविश्वास की मुस्कान लौट आई। शिवानी और उसके परिवार ने पूरे राजस्व अमले और राज्य सरकार का धन्यवाद किया।

स्वस्थ जीवन के लिए वृक्षारोपण अनिवार्य -डॉ. बंसल

पचगांव एवं कायस्थपाड़ा राजकीय विद्यालय में हुआ संगोष्ठी का आयोजन, दी वार्ताएं

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर । भारत विकास परिषद शाखा की ओर से शनिवार को बालिका विद्यालय पंचगांव एवं बालिका विद्यालय कायस्थपाड़ा में बच्चों के लिए पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण पर डॉ.डीके बंसल द्वारा सारगर्भित वार्ताएं दी गई। उन्होंने कहा कि आज के समय जल प्रदूषण रोकना बहुत जरूरी है अन्यथा वर्षा काल में प्रदूषित जल से अनेक प्रकार की बीमारी पैदा हो जाती हैं। प्रांत प्रकल्प प्रभारी राजीव झा एवं जयंत मोदी ने नशा मुक्ति एवं प्लास्टिक रोकथाम के बारे में दोनों स्कूलों की बालिकाओं को जानकारी देते हुए गुटखा, तंबाखू, शराब, बीडी, सिगरेट से होने वाली हानियों पर वार्ता दी। परिषद के अध्यक्ष मुकेश गर्ग ने भारत को जानो प्रतियोगता में सहभागिता बढ़ाने एवं परिषद की विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। भामाशाह के रूप दोनों स्कूलों में डॉ. डीके बंसल द्वारा 12 छत के पंखे डोनेट करने के लिए धन्यवाद दिया। दिनेश गर्ग एवं महेश गोयल ने कुटुंब प्रबोधन तथा बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा पर वार्ता दी। प्रधानाचार्य उमेश शर्मा एवं मदन लाल शर्मा ने परिषद के सदस्यों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। पंचगांव स्कूल में वृक्षारोपण किया गया। मंच संचालन गंगाराम गुर्जर ने किया। इस अवसर पर संविधान की उद्देश्यिका का कंठस्थ पठन करने वाले कक्षा 1 के विद्यार्थी घनिष्ठ एवं चन्द्रज्योति अभियान के तहत एक दिन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बनी छात्रा नेहा को परिषद द्वारा सम्मानित किया गया। परिषद सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण मुहिम को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाओ का संदेश दिया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ के सदस्य शिक्षकगण एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

सड़क व नाली निर्माण नहीं होने से जलभराव की स्थिति, आमजन परेशान

गुस्साए लोगों ने किया नगरपालिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बसेड़ी। नगरपालिका की अनदेखी का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। कुंडा कॉलोनी शिव नवीन स्कूल वाली गली में सड़क व नाली निर्माण नहीं होने से मुख्य मार्ग जलभराव के चलते गुम हो गया है। कॉलोनी में सड़क निर्माण कार्य नहीं होने के चलते जलभराव की स्थिति बनी हुई है। गुस्साए कॉलोनीवासियों ने कीचड़ में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन करते हुए नगर पालिका मुर्दाबाद के लगाए नारे। कॉलोनीवासियों ने बताया घरों से निकलने वाला नालियों का गंदा पानी व बारिश का पानी मुख्य मार्ग से नीचा होने के चलते और नाली निर्माण नहीं होने के चलते गंदा पानी घरों के सामने जमा हो रहा है जलभराव के चलते घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। जिसके कारण नन्हे मुन्ने व वयोवृद्ध घरों में कैद हो गए है। जलभराव से हर समय सड़क पर कीचड़ रहती है। जिसको लेकर नगरपालिका प्रशासन के पास कोई ठोस इंतजामात नहीं है। कुंडा कॉलोनी शिवनवीन स्कूल की गली के प्रवेश द्वार पर ही कीचड़ और जलभराव के कारण बच्चों व आमजन को गुजरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वयोवृद्ध बच्चे कीचड़ में गिरकर आये दिन चोटिल होते रहते हैं। जलभराव होने से भयंकर बीमारियों के फैलने का भय बना हुआ है।

संभागीय आयुक्त ने किया विद्यालय एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण

विद्यालय में बच्चों से पूछे अलंकार एवं संविधान की प्रस्तावना पर प्रश्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर... विद्यालय निरीक्षण के दौरान बालिका प्रश्न पूछती संभागीय आयुक्त

धौलपुर । संभागीय आयुक्त डॉ टीना सोनी ने धौलपुर प्रवास के दूसरे दिन महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय विरौंधा और तहसील कार्यालय धौलपुर का निरीक्षण किया। विद्यालय के निरीक्षण से पूर्व उन्होंने तीर्थराज मचकुंड का भ्रमण कर लाडली जगमोहन मंदिर के दर्शन कर प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर महंत से वहां के इतिहास एवं देवस्थान के महत्व बारे में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने तहसील कार्यालय का निरीक्षण करने पर कार्यालय में कार्यरत प्रत्येक कार्मिक से उसके द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की। रिकॉर्ड संधारण के संदर्भ में तहसीलदार धौलपुर अल्का सक्सैना को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

विरौंधा विद्यालय का निरीक्षण

संभागीय आयुक्त ने महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय विरौंधा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पढ़ रहे छात्रों के कुल नामांकन एवं उपस्थिति पर जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय के छात्रों से अलंकार के संबंध में प्रश्न पूछे जिनके जवाब छात्रों द्वारा दिए गए। उन्होंने शिक्षकों को बच्चों को संविधान की उद्देशिका सिखाने एवं समग्र विकास के ढंग से शिक्षित कराए जाने हेतु निर्देशित किया। तल उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय में अधिक से अधिक नामांकन हेतु प्रेरित किया। इस दौरान सीईओ जिला परिषद ए एन सोमनाथ, उपखंड अधिकारी साधना शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने किया अन्त्योदय संबल शिविर में पट्टों एवं स्वामित्व कार्ड का वितरण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्यमंत्री ओटाराम देवासी तथा सांसद लुंबाराम चौधरी ने शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत सिरोही के पालड़ी एम, कैलाशनगर, डोडुआ तथा खाम्बल में आयोजित शिविरों का अवलोकन किया।

राज्य मंत्री देवासी ने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उत्थान ही एक सशक्त राष्ट्र की पहचान है। राज्य सरकार द्वारा चलाए गए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान,पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा साथ ही अन्य अभियान राज्य को विकासोन्मुख करने के मजबूत इरादों का क्रियान्वयन है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं का निस्तारण करने और सामूहिक प्रयासों के साथ क्षेत्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए निरंतर कार्यरत है। अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत ग्राम पंचायत वार हुए शिविरों के आयोजन से ग्रामीणों को अपने गांव में ही विभिन्न विभागों के कार्यों की तत्काल क्रियान्विति मिल रही है जो कि आमजन को राहत दिलवाने का एक अनुपम प्रयास है। उन्होंने सभी से इन विभागीय कार्यों का लाभ लेने की बात कही साथ ही वहां उपस्थित विभागीय कर्मचारियों अधिकारियों से शिविर की प्रगति जानते हुए प्रत्येक पात्र को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। स्थानीय सांसद लुंबाराम चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि देश व प्रदेश की सरकार पूर्ण सकारात्मकता के साथ अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनकी समस्याओं का निस्तारण कर राहत पहुंचाने के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक वर्ग तक पहुंचने,उनकी समस्याओं का निस्तारण करने और विकास के कार्य करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है।उन्होंने प्रत्येक विभागीय अधिकारी को उनकी विभागीय योजनाओं का बृहद स्तर पर प्रचार प्रसार करने की बात कही।

जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित ने अपने संबोधन में कहा कि गत 24 जून से राज्य सरकार द्वारा इन शिविरों के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों के माध्यम से आमजन से जुड़े विभिन्न विभागीय कार्य करवाए जा रहे है प्रदेश की संवेदनशील सरकार द्वारा चलाए गए ये शिविर आमजन से जुड़े कार्यों के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।उन्होंने सभी से इन शिविरों का लाभ लेने की बात कही।

सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष का अपना घर में भर्ती मरीजों के बीच मनाया कांग्रेस ने जन्मदिन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। जिला कांग्रेस सेवादल महिला की ओर से कांग्रेस सेवादल के ऊर्जावान प्रदेश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत के जन्मदिवस की उपलक्ष में सेवादल के सभी कार्यकर्ताओं ने सेवादल की जिला अध्यक्ष समृद्धि दीक्षित के साथ शहर के अपना घर आश्रम में भर्ती मरीजों को भोजन कराकर व उनके साथ केक काटकर प्रदेश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर धौलपुर सेवादल जिला प्रभारी रोशनी शिवहरे,महिला कांग्रेस सेवादल की जिला अध्यक्ष शबनम खान, सोनी खान, विनेश, सरस्वती, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामेंद्र मीणा, वरिष्ठ कांग्रेसी राजकुमार भारद्वाज, पंचायत समिति सदस्य केशव मीणा, पार्षद हरिसिंह पहाड़िया, अनिल अरेला, राजाखेड़ा सेवादल विधानसभा अध्यक्ष कुमार सेन लोधा, एससी प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष भगवान सिंह जाटव,कोषाध्यक्ष मनीष मंगल, बनवारी लाल बघेल, युवा नेता अभिषेक यादव, महादेव मीणा, मंडल अध्यक्ष नईम खान, दाऊदयाल, राजकुमारी, वैजयंती जाटव एवं अन्य कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारी मौजूद रहे।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह मंगलवार को आएंगे धौलपुर

धौलपुर । विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री और अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह 8 जुलाई मंगलवार को धौलपुर आएगें। सिंह 8 जुलाई को मध्यान्ह 12.30 बजे सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी द्वारा स्थापित साइंस सेंटर धौलपुर का उद्घाटन करेगें।

धौलपुर। मोहर्रम की नवमी के दिन बाड़ा कुमेदान हवेली में हजरत अली असगर का झूला बरामद हुआ। इस मौके पर मजलिस मौलाना जैनुल इबा जाफरी नजफी साहब ने खिताब की। नौहाखानी सगीर जाफरी, अलमदार, जावेद नदीमा, शब्बीर, माहिर हसन एडवोकेट आदि लोग मौजूद थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा के तहत शिविरों का आयोजन जारी, यहां होगें अगले शिविर

धौलपुर । राज्य सरकार सभी वर्गों युवा, महिला, किसान और गरीब के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। अन्त्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में वंचितों को वरीयता देते हुए राज्य सरकार 24 जून से 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा संचालित किया जा रहा है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी बताया कि पखवाड़े के तहत आयोजित होने वाले शिविरों में अधिक से अधिक व्यापक गतिविधियां संचालित कर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को पहुंचाया जा रहा है।

यहां होगा शिविरों का आयोजन

जिला कलक्टर ने बताया कि 6 जुलाई को उपखण्ड धौलपुर की ग्राम पंचायत मोरोली के अटल सेवा केन्द्र में, बसईनीम के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड बाड़ी की ग्राम पंचायत रुंधेरा के अटल सेवा केन्द्र में, सहेडी के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड बसेड़ी की ग्राम पंचायत खनपुरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में, धौर्र के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड सैपऊ की ग्राम पंचायत नगला हरलाल के अटल सेवा केन्द्र में, मालौनी पवांर के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड सरमथुरा की ग्राम पंचायत मदनपुर के अटल सेवा केन्द्र में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

संपादकीय

दिल्ली का दम घुटा जा रहा, जनता सांस मांग रही, सरकार का जवाब - पुरानी गाड़ी हटाओ

दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रदूषण की समस्या जिस स्तर पर गहराती गई है, उसमें इस पर काबू पाने के लिए किए जाने वाले उपायों से शायद ही किसी को असहमति होगी। विडंबना यह है कि कई बार किसी समस्या से पार पाने के लिए जिन उपायों का सहारा लिया जाता है, उसकी व्यावहारिकता कठघरे में होती है। दिल्ली में हर अगले साल प्रदूषण के गहराते संकट के सबसे बड़े कारणों में एक वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को माना गया और इस आधार पर पिछले कुछ वर्षों से सम-विषम जैसे नियम लागू कर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। इसके अलावा, पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने को लेकर नियम-कायदे बनाए गए। हालांकि इसके अपेक्षित नतीजे को लेकर हमेशा संशय रहा। गौरतलब है कि दिल्ली में कुछ दिन पहले यह घोषणा की गई कि पंद्रह वर्ष पुराने पेट्रोल और दस वर्ष पुराने डीजल वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। साथ ही पेट्रोल पंप पर पुरानी गाड़ियों को जब्त किया जा रहा था। जाहिर है, एक साथ बड़ी तादाद में वाहनों के सड़कों से हटाने की नौबत आने पर आम लोगों के बीच व्यापक पैमाने पर आक्रोश का भाव पैदा हुआ और सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे कि क्या अकेले इस उपाय से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को खत्म किया जा सकता है। इससे बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका भी प्रभावित हो सकती है। सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है। यह बेवजह नहीं है कि गुरुवार को दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिख कर कहा कि तकनीकी चुनौतियों और जटिल प्रणाली के कारण तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं है। यानी फिलहाल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने की कवायद थमती दिख रही है। हालांकि इसे लेकर आम लोगों के बीच जैसी प्रतिक्रिया सामने आई, उसके बाद यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर सरकार क्या रुख अपनाती है। माना जाता है कि तकनीकी रूप से पुराने, अधिक ईंधन खपत करने और खराब रखरखाव वाले वाहनों से प्रदूषण ज्यादा फैलता है और ऐसी स्थिति में ऐसे वाहन पर्यावरण और लोगों की सेहत के लिए जोखिम भरे हो सकते हैं। मगर ऐसे सवाल भी उठते रहे हैं कि प्रदूषण फैलाने के लिए किसी वाहन की उम्र को पैमाना माना जाना चाहिए या फिर प्रदूषित पदार्थ उत्सर्जित करने की जांच के आधार पर वाहन के दुरुस्त होने के बारे में तय किया जाएगा। अगर कोई पुराना वाहन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, तो उसकी उम्र को ही अकेला मानदंड क्यों बनाया जाना चाहिए? जहां तक दिल्ली का सवाल है, यह न केवल अन्य राज्यों के कुछ शहरों को मिला कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, बल्कि दिल्ली के अलावा अन्य शहरों में पुराने वाहनों को लेकर अलग नियम हैं। साथ ही दिल्ली में आसपास के राज्यों से हर रोज ऐसे हजारों वाहन आते-जाते हैं, जो पुराने हो सकते हैं, हालांकि उन्हें दूसरे राज्यों में प्रदूषण जांच के पैमाने पर दुरुस्त माना जाता है। शायद इसीलिए ऐसे सवाल उठते रहे हैं कि जिन वाहनों को दूसरे राज्यों या इलाकों में प्रदूषण फैलाने की कसौटी पर सुरक्षित माना जाता है, उन्हें दिल्ली के लिए मुसीबत क्यों माना जाना चाहिए! या फिर अन्य राज्यों के वाहनों के लिए अलग नियम कैसे सही हैं! निश्चित रूप से प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। मगर इससे निपटने के तौर-तरीकों में अगर विरोधाभास होगा तो उसकी व्यावहारिकता कसौटी पर रहेगी।

इन दिनों जब पूरी दुनिया युद्ध की दहशत से अभिशप्त दिखती है तो फिर अमन की तलाश में कौन से रास्ते तलाश किए जाएं, ताकि मानव जीवन सुरक्षित रह सके? असल में यही है जिंदगी के लिए शांति की अंतर्दृष्टि का वह आयाम जो जिंदगी को संतुष्टि के साथ शांति के मार्ग पर चलते हुए नई अंतर्दृष्टियों के नए इंद्रधनुषों को खोलता है। शांति की अंतर्दृष्टि का सीधा अर्थ है जीवन में शांति की गहराई को समझना और जीने के नेतृत्व तथा प्रभावों को जानना। मगर यह उन स्थितियों पर निर्भर करता है कि जिस समाज में हम जी रहे हैं, उसमें सामाजिक आर्थिक और मानव प्रकृतियों की प्रक्रिया कैसी है।

अब एआई के हवाले जिंदगी, टेक्नोलॉजी बन गई है सांस, ऐसे में बेचैन मन को शांति कहां मिले? ऐप्स की दुनिया में इंसान अकेला

आज दुनिया विरोधाभास, नए उपभोक्तावाद और आभासी संसार की नई परिकल्पना से नहीं, उसके डरावने यथार्थ से जूझ रही है। मन-मस्तिष्क की शांति और आत्मचिंतन की अंतर्दृष्टि ही इससे बचाव का रास्ता है जो हमें शांति समृद्धि और उस सुख की ओर ले जा सकता है, जिसमें जीवन की खोज में जिंदगी बची रहे। इन दिनों जब पूरी दुनिया युद्ध की दहशत से अभिशप्त दिखती है तो फिर अमन की तलाश में कौन से रास्ते तलाश किए जाएं, ताकि मानव जीवन सुरक्षित रह सके? असल में यही है जिंदगी के लिए शांति की अंतर्दृष्टि का वह आयाम जो जिंदगी को संतुष्टि के साथ शांति के मार्ग पर चलते हुए नई अंतर्दृष्टियों के नए इंद्रधनुषों को खोलता है। शांति की अंतर्दृष्टि का सीधा अर्थ है जीवन में शांति की गहराई को समझना और जीने के नेतृत्व तथा प्रभावों को जानना। मगर यह उन स्थितियों पर निर्भर करता है कि जिस समाज में हम जी रहे हैं, उसमें सामाजिक आर्थिक और मानव प्रकृतियों की प्रक्रिया कैसी है। वर्तमान समय में जिस तरह आज नई तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी के चलते हर तरह की कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वातावरण आदमी को चौबीस घंटों नियंत्रित करने लगा है, उसके लिए यह अति आवश्यक हो गया है कि आज हम अपनी जिंदगी यानी अपनी सांसों को अपने दिल और अपने मन मस्तिष्क को थोड़ा ठहराव प्रदान करने और शोर के इस माहौल को रोकने के लिए शांति की तलाश के वे तरीके तलाशें, जहां शांति का उपवन हो, जिंदगी का शांतिपूर्ण माहौल हो। यह सच है कि आज हमारे जीने के क्रम और जीवन का रास्ता बिखर गया है। इन दिनों हमारी शांति की दुआओं के मद्देनजर बदलती हुई दुनिया और जिंदगी की अंतर्दृष्टि के कई विभिन्न पहलू हो सकते हैं और मन की शांति हमारे तनाव को कम कर सकती है। भारतीय संस्कृति की ध्यान प्रेक्षा में जीवन में प्राथमिक आवश्यकता आत्मचिंतन अंतर्दृष्टि को ही बताया गया है, लेकिन सामाजिक और आत्मिक शांति इन दिनों जिस तरह से बदल रही दुनिया में एक नई दुनिया का नया स्वरूप अब हमारे सामने परिलक्षित है, वहां पर अंतरराष्ट्रीय शांति के संघर्ष और जड़ों के बजाय जिंदगी को बचाने का प्रयास कहां किया जाए। यह भी सच है कि इन दिनों विश्व में हमने जिस तरह से जंगल, जल और वायु को प्रदूषित किया है, वह आने वाले वर्षों में हमारे उस प्रश्न पर झगड़ों का कारण बनेगा। इसमें असली लड़ाई अब सांसों के लिए वायु प्राण की शांति में जीने की लालसा में होगी। जल की बूंद-बूंद के लिए लड़ाई के मुहाने पर पहुंचा हुआ विश्व शांति और युद्ध के बीच क्या चुनना चाहता है? दरअसल, जिस दुनिया में हम जी रहे हैं, वह जटिल, विरोधाभासी और परस्पर छोटे युद्ध तथा नफरती बयार से भर गई है। यह तब हो रहा है, जब पूरी दुनिया ज्ञान के नए आकाश को छू रही है। इस आसमान में आदमी प्रकृति तथा ब्रह्मांड के भेद को तो भेदना तो चाह रहा है, पर उसने अपनी भंग शांति में सब कुछ खो दिया है। संघर्षों के कर्म को समझना जीने के नए रास्तों को तय करने और ध्यान, योग की प्रवीण प्रवृत्तियों को सहज पूर्णता के कारण एक नई संस्कृतियों के दौर को स्वीकार करने, सम्मान करने तथा शांति से जीने की एक परंपरा हमारे समाज में है। यही समाज की खूबसूरती है, जिसमें विभिन्न समुदायों और विभिन्न रंग-रूप तथा भाषाओं के रंग-बिरंगे संजाल में लोग सदियों से रह रहे हैं। यह अलग बात है कि गुलामी का भाव अपने जीने के अस्तित्व और युद्ध के दर्शन ने हमेशा इस धरती पर शांति को तार-तार किया है, लेकिन भारतीय जनमानस में करुणा, सहानुभूति, आत्म जागरूकता, विचारों तथा भावनाओं को ध्यान के जरिए नियंत्रित करना दरअसल शांति के लिए आत्म चिंतन की दूरदृष्टि है। इसको समझने की आज जितनी आवश्यकता है और शांति की प्रासंगिकता के अर्थ जितने प्रासंगिक आज हैं, उतने पहले कभी भी नहीं हुए थे। असल में अपने विचारों को खुले से प्रस्तुत कर रहे संवाद पर शांतिपूर्ण तरीके से आत्म चिंतन करना इस दुनिया को तथा बदलते समाज को नई संभावनाओं से भर सकता है। शांति की गहराई में अंतर्दृष्टि की एक बहुआयामी अवधारणा व्यक्ति समाज और दुनिया के लिए इन दिनों अति महत्त्वपूर्ण है। यही एक ऐसा रास्ता है जो आत्मचिंतन को स्थिर करते हुए नए जीवन की अंतर्दृष्टियों के साथ चलते हुए हमें एक बेहतर कल की पीढ़ी के लिए एक सुंदर दुनिया की रूपरेखा तथा नई संरचना की ओर ले जा सकता है। हमारे यहां सभी धर्मों-परंपराओं में शांति का बखान है और सभी के लिए एक अरदास की आत्म दृष्टि और सकारात्मक जीने का खुला हुआ रास्ता है। एक ऐसा भाईचारा और ऐसी परिकल्पना का 'जोग-संजोग' का शांति-समय है, लेकिन यह भी सच है कि इस अंतर्दृष्टि में शांति पाने के जितने तरीके हमारे इतिहास और शास्त्रों में दर्शाए गए हैं, उनमें मन को संभालने के सवालों को ध्यान में सुलझा दिया गया है। इन दिनों दुनिया में जो कुछ हो रहा है, वह अंतर्मुखी होकर अपने अहंकार से मुक्त आदमी को इस तेज भागते हुए विश्व की नई परिकल्पना में शांति की गुंजाइश से भर सकता है। यही जीवन जीने की एक नई दिशा का रास्ता है। आज दुनिया विरोधाभास, नए उपभोक्तावाद और आभासी दुनिया की नई परिकल्पना से नहीं, उसके डरावने यथार्थ से जूझ रही है। मन-मस्तिष्क की शांति और आत्मचिंतन की अंतर्दृष्टि ही इससे बचाव का रास्ता है जो हमें शांति समृद्धि और उस सुख की ओर ले जा सकता है, जिसमें जीवन की खोज में जिंदगी बची रहे। यही सवाल आज सबसे बड़ा है, जिसके लिए यह कोशिशें पूरी दुनिया में हो रही हैं, ताकि जिंदगी को युद्ध की तबाही से बचाया जा सके और आत्मचिंतन की शांति की अंतर्दृष्टि से आने वाली नस्लों के लिए इस रंग-बिरंगे विश्व को सुरक्षित रखा जा सके।

विश्व शांति के लिए भी खतरा है पाकिस्तान, सामने आई पड़ोसी देश की मंशा

पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत-पाकिस्तान के संबंधों को प्रभावित किया है। हमले में पर्यटकों की धार्मिक पहचान पूछकर हत्या की गई। लश्कर के संगठन टीआरएफ ने इसकी जिम्मेदारी ली। इस घटना का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अस्थिर करना था। भारत ने आर्थिक और कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को जवाब दिया। पहलगाम के आतंकी हमले ने द्विपक्षीय समीकरण ही नहीं, बल्कि समूचे दक्षिण एशिया में संबंधों के तानेबाने को प्रभावित किया है। इस हमले ने आतंक की नीति को जारी रखने वाली पाकिस्तानी मंशा को प्रकट किया था। पर्यटकों से उनकी मजहबी पहचान पूछकर की गई हत्याओं को लश्कर के पिट्ठू संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने अंजाम दिया। इसे केवल एक नरसंहार के रूप में न देखा जाए। यह भू-राजनीतिक उकसावे की एक सुनियोजित कार्रवाई थी। इसने जहां आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान के कलंकित इतिहास को दोहराया, वहीं इसके पीछे की एक मंशा जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा ढांचे को अस्थिर करने की भी थी। वैश्विक निगरानी और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद पाकिस्तान ने अपनी जमीन पर संचालित आतंकी ढांचे को समाप्त नहीं किया है। पहलगाम हमला भी उसी पुराने ढर्रे पर किया गया, जहां सेना-आइएसआइ की आतंकी करतूत से इस्लामाबाद ने आदतन किनारा कर लिया। इसमें किसी को कोई संदेह नहीं हो सकता कि पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व की हरी झंडी के बिना ऐसे किसी हमले को अंजाम दिया गया होगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने आर्थिक, कूटनीतिक और सामरिक मोर्चों पर बहुत कारगर कदम उठाए और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। दूसरी ओर, पाकिस्तान लकीर पीटने वाले ढर्रे पर चलते हुए बस शेखी बघारता रहा। भारत ने जहां सिंधु जल समझौते को ठंडे बस्ते में डालकर पाकिस्तान और उसकी आर्थिकी की कमर तोड़ने वाला दांव चला, वहीं पाकिस्तान शिमला समझौते से पीछे हटने का निरर्थक राग अलापता रहा। कश्मीर में दशकों की अस्थिरता से उबरते हुए पटरी पर आ रही पर्यटन गतिविधियां आतंकी हमले के बाद फिर से अनिश्चितता के भंवर में फंस गई हैं। हालांकि इसका आर्थिक खामियाजा जम्मू-कश्मीर से परे समूचे दक्षिण एशिया को भुगतना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में भारत-पाकिस्तान, दोनों ने व्यापार, निवेश और वीजा आदि के मोर्चे पर जो कदम उठाए हैं, उससे क्षेत्रीय सहयोग के साथ ही आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर भी ग्रहण लगा है। इस तरह एक देश की आतंक समर्थक नीतियों की कीमत पूरे क्षेत्र को अपनी शांति एवं समृद्धि गंवाने के रूप में चुकानी पड़ रही है। यहां तक कि पाकिस्तान के इस रवैये का दंश वहां की जनता को भी भुगतना पड़ रहा है। उसे फर्जी राष्ट्रवाद की घुट्टी पिलाई जा रही है। भले ही पाकिस्तान खुद को आतंक से पीड़ित दिखाने का प्रयास करता रहे, लेकिन उसकी पहचान आतंक से निपटने में शिथिलता दिखाने वाले देश की ही है। करीब ढाई माह पुराने पहलगाम हमले ने आतंकी गतिविधियों के मामले में पाकिस्तान को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंताओं को नए सिरे से उभारने का काम किया है। पूर्व में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में रखने वाली एफएटीएफ जैसी संस्था के समक्ष भी पाकिस्तान पर अंकुश लगाने का दबाव बढ़ेगा। इससे पाकिस्तान की छवि और खराब होगी। आर्थिक निवेश और विकास को लेकर उसकी उम्मीदों को पलीता लगेगा। पहलगाम हमला पाकिस्तान के आतंकी चरित्र में एक खतरनाक बदलाव का भी परिचायक है। 2001 की शुरुआत से पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने मुख्य रूप से जम्मू क्षेत्र को निशाना बनाते हुए सैन्य बलों पर ही हमले किए। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद पहलगाम हमला कश्मीर में हुई पहली बड़ी आतंकी वारदात रही। हिंदुओं को निशाना बनाने के पीछे भी कुत्सित सोच एकदम स्पष्ट रहा कि देश में सामाजिक वैमनस्य बढ़े और कश्मीर में सरकार का विकास एजेंडा पटरी से उतरे। भारत ने इसे बखूबी समझा। इसका असर हमले के बाद की प्रतिक्रिया में भी झलका। भारत ने बहुस्तरीय रणनीति अपनाते हुए खुफिया मोर्चे को और चाकचौबंद किया, जमीनी स्तर पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाई और किसी भी संभावित आतंकी हमले को निस्तेज करने के लिए अभियान तेज किए, विशेष तौर पर अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर। चूंकि जम्मू-कश्मीर में अभी भी सैकड़ों पाकिस्तान समर्थक आतंकी सक्रिय हैं, इसलिए सुरक्षा बलों की चुनौती काफी कड़ी होने वाली है। इस समय भले ही दोनों देशों के बीच युद्धविराम जैसी स्थिति हो, लेकिन पाकिस्तान अपने आतंकी पिट्ठुओं को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता रहेगा। भारत ने जिस तरह सिंधु जल समझौते को स्थगित रखने की दृढ़ता दिखाई है, उसके चलते इसकी भरी-पूरी आशंका है कि आतंकी जम्मू-कश्मीर में किसी अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे को निशाना बनाएं ताकि भारत सरकार कुछ दबाव में आए और कश्मीर का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय पटल पर छाए। भारत ने इरादे एकदम स्पष्ट कर दिए हैं कि भविष्य में कोई आतंकी हमला युद्ध के लिए उकसाने वाले कृत्य के रूप में देखा जाएगा। किसी हमले की सूरत में दोनों देश फिर से आमने-सामने आ सकते हैं। यह भी एक पहलू है जो पाकिस्तान की नापाक कश्मीर नीति से जुड़ा है। भारत के दृष्टिकोण से पहलगाम हमला केवल एक त्रासदी भर नहीं, बल्कि एक निर्णायक मोड़ रहा। ऐसा मोड़, जिसने भविष्य में किसी भी पाकिस्तानी आतंकी कृत्य से निपटने की उसकी दिशा को निर्धारित किया है। पाकिस्तान के आतंकी चरित्र ने न केवल दक्षिण एशिया की शांति में खलल डाला है, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी वह नासूर बन गया है। उसके साथ कूटनीतिक सक्रियता का समय भी अब निकल गया। पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी ढांचे को ध्वस्त किए बिना दक्षिण एशिया में शांति संभव नहीं। समय आ गया है कि पाकिस्तान को केवल पहलगाम के लिए ही नहीं, बल्कि दशकों से चले आ रहे छद्म युद्ध में गंवाई हर एक जान के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह बनाकर न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाए।

महाराष्ट्र के पुणे में खुद को 'कूरियर डिलीवरी एजेंट' बता कर एक व्यक्ति ने जिस तरह के अपराध को अंजाम दिया, उसने शहरों-महानगरों में विकसित हो रही एक नई आपराधिक शैली को लेकर सबको चिंता में डाला है। गौरतलब है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को सामान पहुंचाने वाला बताया और इस बहाने एक युवती के घर में घुस कर उससे बलात्कार किया। यही नहीं, उसने जबरन पीड़ित युवती के साथ अपनी तस्वीर ली और किसी को बताने पर उसे सब जगह प्रसारित कर देने और दोबारा आने की धमकी दी।

डिलीवरी एजेंट बनकर घर में घुसा, लड़की से बलात्कार किया और बोला- फिर आऊंगा, किसी को बताया तो फोटो वायरल कर दूंगा

पुणे की आइटी पेशेवर युवती से बलात्कार करने वाला जब यह कहता है कि वह दोबारा आएगा, तो इससे साबित होता है कि आपराधिक मानसिकता के किसी व्यक्ति का दुस्साहस स्त्रियों के खिलाफ मनमानी करने से आगे बढ़ कर उनके आत्मसम्मान को गहरी ठेस पहुंचाने तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र के पुणे में खुद को 'कूरियर डिलीवरी एजेंट' बता कर एक व्यक्ति ने जिस तरह के अपराध को अंजाम दिया, उसने शहरों-महानगरों में विकसित हो रही एक नई आपराधिक शैली को लेकर सबको चिंता में डाला है। गौरतलब है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को सामान पहुंचाने वाला बताया और इस बहाने एक युवती के घर में घुस कर उससे बलात्कार किया। यही नहीं, उसने जबरन पीड़ित युवती के साथ अपनी तस्वीर ली और किसी को बताने पर उसे सब जगह प्रसारित कर देने और दोबारा आने की धमकी दी। इस घटना ने कोई काम करने या सामान पहुंचाने घर में आने वाले लोगों को लेकर एक नई आशंका खड़ी कर दी है। ऐसा लगता है कि किसी बेहद सुरक्षित मानी जाने वाली जगह पर भी आपराधिक मानसिकता वाले व्यक्ति की पहुंच हो सकती है या फिर कोई अचानक अपराधी की शक्ल में तब्दील हो सकता है। अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष में उपचाराधीन युवती का कोई कैसे यौन उत्पीड़न करने का साहस कर लेता है?

पुणे की आइटी पेशेवर युवती से बलात्कार करने वाला जब यह कहता है कि वह दोबारा आएगा, तो इससे साबित होता है कि आपराधिक मानसिकता के किसी व्यक्ति का दुस्साहस स्त्रियों के खिलाफ मनमानी करने से आगे बढ़ कर उनके आत्मसम्मान को गहरी ठेस पहुंचाने तक पहुंच गया है। यह न केवल कानून व्यवस्था के नाकाम होने का सबूत है, बल्कि हमारी सामाजिक जागरूकता भी कठघरे में है। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि यौन हिंसा के ज्यादातर मामलों में इंसाफ मिलने की हकीकत क्या है। ग्रामीण इलाकों में आमतौर पर ऐसे मामलों को दबाने और रफा-दफा करने की कोशिश होती है। ऐसे में अपराधियों का दुस्साहस बढ़ता है। जबकि महिलाओं के लिए अपने खिलाफ ऐसे अपराध छिपाने का मामला नहीं होना चाहिए। अधिकतर अपराधी स्त्री की इसी भावनात्मक कमजोरी का फायदा उठाते हैं। पिछले कुछ वर्षों से महिलाओं के यौन उत्पीड़न का वीडियो बना कर उसे प्रसारित कर देने और पीड़िता को मुंह बंद रखने की धमकी देने की घटनाएं सामने आने लगी हैं। यह नई आपराधिक प्रवृत्ति है, जिससे निपटने के लिए ऐसे अपराध के खिलाफ मुखर होना पड़ेगा।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से जो जन-धन हानि हुई, वह यही बता रही है कि अपने देश में और विशेष रूप से पर्वतीय इलाकों में बरसात के दिनों में कैसी विषम परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं। ये केवल इसलिए नहीं पैदा होतीं कि ज्यादा वर्षा हो गई, बाढ़ आ गई या भूस्खलन हो गया। ऐसी परिस्थितियां इसलिए भी पैदा होती हैं, क्योंकि सरकारी एवं गैर सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का स्तर बहुत ही घटिया है।

घटिया निर्माण का नतीजा, सरकारों को ध्यान देने की जरूरत

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से हुई क्षति दर्शाती है कि पर्वतीय क्षेत्रों में बरसात में विषम हालात पैदा होते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी निर्माण कार्यों की घटिया गुणवत्ता इसका मुख्य कारण है जिस पर राज्य और केंद्र सरकारें ध्यान नहीं दे रहीं। बुनियादी ढांचे के निर्माण में मानकों का पालन न करने से हादसे होते रहेंगे और दोष प्रकृति पर डाला जाएगा। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से जो जन-धन हानि हुई, वह यही बता रही है कि अपने देश में और विशेष रूप से पर्वतीय इलाकों में बरसात के दिनों में कैसी विषम परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं। ये केवल इसलिए नहीं पैदा होतीं कि ज्यादा वर्षा हो गई, बाढ़ आ गई या भूस्खलन हो गया। ऐसी परिस्थितियां इसलिए भी पैदा होती हैं, क्योंकि सरकारी एवं गैर सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का स्तर बहुत ही घटिया है। इस पर न तो राज्य सरकारें गंभीरता से ध्यान दे रही हैं और न ही केंद्र सरकार, जिसकी कई परियोजनाएं राज्यों में जारी रहती हैं। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे होते ही रहेंगे और उनका दोष

प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। आने वाले दिनों में इस तरह के दुखद समाचार रह-रहकर देखने-सुनने को मिल सकते हैं। ऐसे समाचार देश के गैर पर्वतीय राज्यों से भी आएंगे, क्योंकि तनिक सी बरसात बुनियादी ढांचे के निर्माण की पोल खोलने का काम करती है। पोल मुंबई जैसे महानगरों के शहरी ढांचे की भी खुलती है और देश की राजधानी दिल्ली की भी। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते। ज्यादा बारिश, भूस्खलन आदि की घटनाएं विकसित देशों में भी होती हैं, लेकिन वहां सरकारी एवं निजी लोगों की ओर से कराए गए निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसीलिए वहां हादसे और उनमें जान गंवाने वाले लोगों की संख्या कम होती है। पता नहीं क्यों हम विकसित देशों से कुछ सीखने से क्यों इन्कार कर रहे हैं? इस इन्कार के लिए राज्यों और केंद्र सरकारों के साथ उनकी नौकरशाही सीधे तौर पर जिम्मेदार है। बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़े सरकारी विभाग भयंकर किस्म के भ्रष्टाचार से ग्रस्त हैं। इसी कारण नए बने भवन में लीकेज होने लगता है और पुल उद्घाटन से पहले ही ढह जाते हैं। इस सच से पहले के नीति नियंता भी अवगत थे और वर्तमान के भी। अच्छा हो कि वे चेत जाएं और निर्माण कार्यों के लिए बनाए गए मानकों का पालन सुनिश्चित कराएं। इससे ही सरकारी के साथ-साथ निजी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता भी सुधरेगी। समझना कठिन है कि इस जरूरी काम को प्राथमिकता देने में क्या कठिनाई है?

बुमराह की अनुपस्थिति में आक्रमण की अगुआई करने की जिम्मेदारी उठाने में मजा आ रहा - मौहम्मद सिराज

नई दिल्ली। एजबेस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को उधेड़ने के बाद भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि उन्हें जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में आक्रमण की अगुआई करने की जिम्मेदारी उठाने में मजा आ रहा है। उन्होंने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान 70 रन देकर छह विकेट चटकाए और मेहमान टीम को बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सिराज ने अपने शानदार प्रदर्शन को अविश्वसनीय बताया और कहा कि इसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था।

वहीं, तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी चार विकेट लिए। उन्होंने कहा कि वह इंग्लैंड में सीम और स्विंग कराने की सोच रहे थे, लेकिन वैसे हालात नहीं थे। वहां अनुशासन के साथ गेंदबाजी करना ज्यादा महत्वपूर्ण था। भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे, जिसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ (207 गेंदों पर नाबाद 184 रन) और हैरी ब्रूक (234 गेंदों पर 158 रन) के शतकों की वजह से इंग्लिश टीम इस स्कोर तक पहुंच पाई। ब्रूक और स्मिथ ने मिलकर 368 गेंदों पर 303 रन की साझेदारी की।

लंबे समय से इस स्पेल का इंतजार था

सिराज ने कहा, यह अविश्वसनीय है क्योंकि मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। मैं अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन विकेट नहीं ले पा रहा हूं। मैंने इससे पहले यहां केवल चार विकेट लिए थे, इसलिए छह विकेट लेना बहुत खास है। सिराज ने कहा कि विकेट धीमा था, जिससे अनुशासन बनाए रखना महत्वपूर्ण हो गया। उन्होंने कहा, विकेट बहुत धीमा था, लेकिन जब आपको आक्रमण का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है, तो मेरा लक्ष्य बहुत अधिक प्रयास न करके सही क्षेत्रों में गेंदबाजी करना और अनुशासन के साथ गेंदबाजी करना होता है। मेरी मानसिकता रन नहीं देना था। इस टेस्ट के लिए बुमराह को आराम दिए जाने के बाद सिराज ने आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा की अपेक्षाकृत कम अनुभव वाली तेज गेंदबाजी इकाई का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, %यह आकाश दीप का तीसरा या चौथा मैच है, प्रसिद्ध के लिए भी यही है, इसलिए मेरा ध्यान केवल निरंतर बने रहने और दबाव बनाने पर था। मुझे अलग-अलग चीजें आजमाने का मन कर रहा है, लेकिन मुझे निरंतर बने रहना है। बुमराह के बिना गेंदबाजी करते हुए अपने शानदार रिकॉर्ड के बारे में पूछे जाने पर, सिराज ने कहा, मुझे जिम्मेदारी पसंद है, मुझे चुनौती पसंद है।

गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता

अमेरिकी प्लेयर वेस्ली सो को 36 चालों में मात दी, 18 में से 14 पॉइंट हासिल किए

नई दिल्ली। क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने रैपिड खिताब जीत लिया है।

यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा है और गुकेश ने रैपिड फॉर्मेट में 18 में से 14 पॉइंट अर्जित करके खिताब अपने नाम किया।

गुकेश ने आखिरी राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर रैपिड खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने टूर्नामेंट में 9 मुकाबलों में से 6 में जीत हासिल की, 2 ड्रॉ रहे और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।टूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश गुकेश को टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पोलैंड के जान-क्रिस्टॉफ डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की।

उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और भारत के प्रगनानंद को हराया।गुकेश ने टूर्नामेंट के चौथे राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और पांचवें राउंड में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया था।

छठे राउंड में गुकेश का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हुआ, जिसमें भारतीय ग्रैंडमास्टर ने जीत हासिल की। गुकेश ने कार्लसन को एक महीने के अंदर दूसरी बार हराया है। गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भी हराया था।

दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 45 रन की बढ़त वेस्टइंडीज पहली पारी में 253 रन पर ऑल आउट

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की टीम शुक्रवार को ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 253 रन पर ऑलआउट हो गई। नाथन लायन ने 3 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कैरेबियाई टीम ऑस्ट्रेलिया से 45 रन पीछे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 12 रन बना लिए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 286 रन बनाए थे।

सैम कोंस्टास बिना रन बनाए लौटे सैम कोंस्टास दूसरी पारी में शून्य पर आउट हो गए। उन्हें जेडन सील्स ने बोल्ड किया, जबकि उस्मान ख्वाजा दो रन पर आउट हुए। उन्हें सील्स ने एलबीडबलू किया। दिन का खेल खत्म होने तक कैमरून ग्रीन 6 रन और नाइटवाचमैन नाथन लायन 2 रन बनाकर खेल रहे थे।वेस्टइंडीज टीम की बल्लेबाजी के दौरान 32.2 ओवर में ग्राउंड में अचानक एक कुत्ता आ गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने उसे ब्राउंड्री लाइन के बाहर किया। इस दौरान थोड़ी देर के लिए खेल को रोकना भी पड़ा।

भारत का बांग्लादेश दौरा एक साल के लिए टला

बीसीसीआई ने कहा- 2025 नहीं, सितंबर 2026 में होंगे 3 टी-20 और 3 वनडे

नई दिल्ली। भारत का बांग्लादेश दौरा एक साल के लिए टाल दिया गया है। बीसीसीआई ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। भारतीय बोर्ड के अनुसार, टीम इंडिया अब अगस्त 2025 की बजाय अगले साल सितंबर में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी। बीसीसीआई ने री-शेड्यूल करने के कारण नहीं बताया। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय में बिगड़े रिश्तों और सुरक्षा की वजह से यह फैसला लिया गया। भारत अगले साल बांग्लादेश जाकर 3 वनडे और 3 टी-20 खेलने वाला है। रोहित-कोहली के खेलने का इंतजार भी टला बांग्लादेश टूर टलने के साथ फैंस का कोहली और रोहित को एक साथ फिर खेलते देखने का इंतजार भी बढ़ गया। रोहित और विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। दोनों ने पिछले साल जून में टी-20 इंटरनेशनल को भी अलविदा कह दिया था। ऐसे में अब दोनों खिलाड़ी वनडे में ही भारत के लिए खेलते नजर आएंगे। विराट और रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से खेलते नजर आए थे। बीसीबी ने मीडिया राइट्स की बिक्री टाली बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के मीडिया राइट्स की बिक्री भी टाल दी है। पहले 7 जुलाई को टेक्निकल बोली और 10 जुलाई को फाइनेंशियल बोली होनी थी। लेकिन अब बोर्ड ने तय किया है कि वह पहले पाकिस्तान सीरीज (17-25 जुलाई) के लिए मीडिया राइट्स बेचेगा और फिर बाकी मैचों पर फैसला लेगा।

एक हफ्ते पहले बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा था कि दौरे पर आने से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को अपनी सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

वैभव का इंग्लैंड में फिर आया तूफान, 52 गेंद में शतक जड़ा, यूथ वनडे में रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली। भारत के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का इंग्लैंड में धमाल जारी है। उन्होंने भारतीय अंडर-19 टीम से खेलते हुए इंग्लैंड की अंडर-19 के खिलाफ चौथे यूथ वनडे में 78 गेंद पर 13 चौके और 10 छक्के की मदद से 143 रन की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा।

वैभव यूथ वनडे यानी युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इतना ही नहीं, वह युवा वनडे के सबसे युवा शतकवीर भी बन गए हैं। शतक लगाने के वक्त उनकी उम्र 14 साल 100 दिन की रही।

वैभव ने साथ ही पिछले मैच में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। पिछले वनडे में वह अंडर-19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने थे। पिछले वनडे में वैभव ने 31 गेंद में छह चौके और नौ छक्के की मदद से 86 रन की पारी खेली थी। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 277.42 का रहा था।

अब 10 छक्के लगाकर उन्होंने पिछले रिकॉर्ड सुधार किया। अंडर-19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का भारतीय रिकॉर्ड वैभव से पहले राज बावा (8 छक्के) के नाम था। उन्होंने 2022 में युगांडा के खिलाफ ऐसा किया था।

हालांकि, वैभव ने पहले उनका रिकॉर्ड तोड़ा और अब खुद का ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

व्यापार

आय समानता मामले में भारत का नया कीर्तिमान, अत्यधिक गरीबी भी घटी

नई दिल्ली। भारत आय समानता में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है। आय असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स में भारत को 25.5 का स्कोर मिला है। भारत से ऊपर केवल स्लोवाक रिपब्लिक, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है।

भारत के लिए उपलब्धि

सरकार का कहना है कि यह भारत के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि आर्थिक प्रगति किस प्रकार देश की जनसंख्या में समान रूप से साझा की जा रही है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तयी पहुंच का विस्तार करने और सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक सीधे कल्याण पहुंचाने पर केंद्रित नीतिगत ध्यान है।

भारत कम असमानता से बस थोड़ा दूर है

गिनी इंडेक्स में 0 पूर्ण समानता और 100 पूर्ण असमानता को दर्शाता है। गिनी इंडेक्स जितना अधिक होगा, देश उतना ही असमान होगा। भारत मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आता है,

जिसमें 25 से 30 के बीच गिनी स्कोर शामिल है, और यह ÷कम असमानता समूह में शामिल होने से बस थोड़ा सा दूर है। भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डेटा जारी किया है।

केवल 30 देश कम असमानता श्रेणी में आते हैं

वैश्विक स्तर पर, केवल 30 देश मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आते हैं.इसमें मजबूत कल्याणकारी व्यवस्था वाले कई यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं।

छोटे कारोबारियों के बीच यूपीआई बना लेन-देन का सबसे पसंदीदा तरीका

नई दिल्ली। देश के छोटे कारोबार (एमएसएमईएस) तेजी से डिजिटल लेन-देन को अपना रहे हैं। मामले में पेनियरबाई की रिपोर्ट की माने तो देश में लगभग 48त्न छोटे कारोबारियों ने यूपीआई को सबसे पसंदीदा भुगतान का तरीका बताया है। इसके बाद आधार आधारित बैंकिंग को 39त्न लोगों ने चुना। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महिला कारोबारियों के बीच आधार बैंकिंग की पसंद 42त्न तक पहुंच गई है। इसका कारण फिंगरप्रिंट और फेस ऑथेंटिकेशन जैसी सुरक्षित तकनीकों पर बढ़ता भरोसा बताया गया है।

सर्वे में शामिल 71त्न लोगों ने स्मार्टफोन को अपना मुख्य व्यापारिक उपकरण बताया। महिलाओं में यह आंकड़ा और भी ज्यादा, 84त्न तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल टूल्स अपनाने से हर तीन में से एक कारोबारी ने अपने कामकाज में सुधार बताया। वहीं 73त्न छोटे व्यवसायियों ने आय बढ़ने या कामकाज में सुधार का अनुभव किया। हालांकि यह संख्या अभी कम है, लेकिन 7त्न कारोबारियों ने एआई और ऑटोमेटेड टूल्स जैसे इन्वेंटरी ऐप्स, बिलिंग सिस्टम और कस्टमर एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म्स को इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

वहीं यूपीआई के बढ़ते लेन-देन को लेकर पेनियरबाई के फाउंडर और सीईओ आनंद कुमार बजाज ने कहा कि एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। डिजिटल टूल्स जैसे स्मार्टफोन, यूपीआई, आधार बैंकिंग और एआई को तेजी से अपनाना दिखाता है कि यह सेक्टर अब पूरी तरह से आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है।

गौरतलब है रि यह सर्वे देशभर के 10,000 लोगों और छोटे व्यापारियों के बीच किया गया, जिसमें किराना स्टोर्स, मोबाइल रिचार्ज शॉप्स, मेडिकल स्टोर्स, कस्टमर सर्विस पॉइंट्स (सीएसपी) और ट्रैवल एजेंसियां शामिल थीं। इसको लेकर रिपोर्ट से साफ तौर पर कहा गया है कि भारत का एमएसएमई सेक्टर अब डिजिटल की ताकत को पहचान चुका है और इससे न सिर्फ उनकी कमाई बढ़ रही है, बल्कि काम भी आसान हो रहा है।

दूसरी छमाही में सोने की कीमतें बढ़ने की संभावना फिर एक लाख रुपये तक पहुंच सकता है आंकड़ा

नई दिल्ली। घरेलू सोने का भाव साल 2025 की दूसरी छमाही में एक लाख तक बढ़ने की संभावना है। आईसीआईसीआई बैंक ग्लोबल मार्केट्स की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। वैश्विक हालातों के विपरीत, जून में घरेलू सोने की कीमतों में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह रुपये में 0.2 प्रतिशत की मामूली गिरावट के कारण हुई।

मात्रा के लिहाज से, सोने के आयात में क्रमिक आधार पर गिरावट आई है। यह दर्शाता है कि ऊंची कीमतों के जवाब में मांग कमजोर हो रही है। मई में 2.5 अरब डॉलर के सोने का आयात दर्ज किया गया, जबकि पिछले महीने यह 3.1 अरब डॉलर था। मई में निवेश की मांग मजबूत रही।

मई में ईटीएफ में 2.92 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ

एएमएफआई के आंकड़ों से पता चला है कि लगातार दो महीनों की निकासी के बाद मई में एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में 2.92 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। यह स्थानीय बाजारों में पीली धातु की मजबूत निवेश-संबंधी मांग को दर्शाता है।

वैश्विक मोर्चे पर, सोने की कीमतों में क्रमिक गिरावट के बावजूद पीली धातु के लिए निवेश मांग मजबूत बनी रही, जो ईटीएफ प्रवाह से भी स्पष्ट है। सोने में एसपीडीआर ईटीएफ प्रवाह 1 जून 2025 तक 930 टन से बढ़कर 1 जुलाई 2025 तक 948 टन हो गया।

हाल के महीनों में, सोने की कीमतों में तेजी रुक गई है, क्योंकि पिछले महीने कीमतें स्थिर रहीं, जो सुरक्षित निवेश की मांग में आई कमी को दर्शाता है। हालांकि, 2025 में ईयर-टू-डेट आधार पर कीमतें 28 प्रतिशत अधिक रहीं।

राजस्थान में जियो का दबदबा बरकरार, मई माह में 95000 से अधिक वायरलेस ग्राहक जोड़े

जयपुर। रिलायंस जियो ने राजस्थान में एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा मई 2025 के लिए जारी ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने राज्य में 95,016 नए मोबाइल ग्राहक जोड़े हैं, जिससे उसका कुल ग्राहक आधार बढ़कर 2.66 करोड़ हो गया है। इस बड़े ग्राहक आधार के साथ जियो राजस्थान में नंबर एक टेलीकॉम ऑपरेटर के स्थान पर बरकरार है।

इसके विपरीत, भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल को लगातार दूसरे महीने नुकसान झेलना पड़ा। मई में एयरटेल ने 8,453, वोडाफोन आइडिया ने 31,403 और बीएसएनएल ने 6,680 ग्राहक खो दिए। राजस्थान में कुल वायरलेस उपभोक्ता आधार 31 मई 2025 तक बढ़कर 6.47 करोड़ हो गया है, जिसमें इस माह कुल 48,454 की वृद्धि दर्ज की गई।

जियो 2.66 करोड़ ग्राहकों के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद भारती एयरटेल के 2.33 करोड़, वोडाफोन आइडिया के 90.91 लाख और बीएसएनएल के 56.19 लाख ग्राहक हैं। जियो राज्य में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड सेगमेंट में भी सबसे आगे है। वायरलाइन और 5जी एफडब्ल्यूए सहित जियो के कुल फिक्स्ड ब्रॉडबैंड ग्राहक अब 9.05 लाख तक पहुंच गए हैं, जो एयरटेल के 4.24 लाख ग्राहकों से दोगुने से भी ज्यादा हैं।

जनता की समस्याओं का समय पर समाधान ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है -दिया कुमारी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। प्रदेश के डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए रिव्यू मीटिंग ली। बैठक में जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम ग्रेटर, एनएचएआई, रीको, पीडब्ल्यूडी, जलदाय विभाग, वन विभाग, शिक्षा, पुलिस और मेट्रो प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कई प्राथमिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सड़कों की स्थिति, जलभराव की समस्या, सीवरेज और ड्रेनेज कार्यों की प्रगति, ऑक्सीजन पार्क, बीआरटीएस कॉरिडोर, पेयजल पाइपलाइन, अतिक्रमण हटाने और पुलिया निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

मुख्य बिंदु जो चर्चा में रहे

विद्याधर नगर की सड़कों और जल भराव से संबंधित प्रस्तावों की स्वीकृति व वर्तमान स्थिति। बीआरटीएस कॉरिडोर, सीकर रोड वर्क और ड्रेनेज कार्य की प्रगति रिपोर्ट। ऑक्सीजन पार्क की स्थिति, बजट में घोषित कार्यों की अद्यतन जानकारी। कई वार्डों में सीवरेज और ड्रेनेज प्लान को शीघ्र लागू करने के निर्देश। बारिश के मौसम को देखते हुए जलभराव वाले क्षेत्रों की तत्काल पहचान और समाधान के निर्देश। अवैध अतिक्रमण हटाकर प्रस्तावित सड़कों का निर्माण शीघ्र कराने के निर्देश। हरमाड़ा, मुरलीपुरा सेटेलाइट हॉस्पिटल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित मेडिकल परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा। बीसलपुर परियोजना के तहत पाइप लाइन और टंकी निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा। वन विभाग की भूमि पर अटके कार्यों को शीघ्र शुरू करवाने हेतु निर्देश। टोंटी मोड़ तक मेट्रो विस्तार और एनएचएआई द्वारा प्रस्तावित अंडरपास कार्यों की अद्यतन जानकारी।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित कार्यों की समयबद्ध रूप से पूर्ति सुनिश्चित की जाए और जनसमस्याओं के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने मानसून के दृष्टिगत जलभराव, सीवर डैमेज और सड़कों की मरम्मत पर विशेष ध्यान देने को कहा।

राज्यपाल से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारी प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शनिवार को राजभवन में राजस्थान प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। राज्यपाल ने इस दौरान उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर राइसेम में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर शनिवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'सहकारिता : बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना' शीर्षक से आयोजित सेमिनार में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने विषय सहित सहकारिता की चुनौतियों और संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) शिल्पी पांडे ने कहा कि हमें सहकारिता के ध्येय वाक्य एक सबके लिए, सब एक के लिए को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। हम आपस में सहयोग, सहभागिता और जुड़ाव को बनाये रखते हुए एक-दूसरे की मदद करें। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन का दौर है। अनेक प्रकार के परिवर्तन सहकारिता सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे हैं। हमें आगे बढ़ने के लिए इन परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) एवं अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के नोडल अधिकारी संदीप खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह देश में सहकारिता को एक नई पहचान देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता से जुड़ी योजनाओं में राजस्थान बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, जिससे राष्ट्रीय स्तर भी राज्य का विशेष रूप से उल्लेख किया जा रहा है। सहकारिता को राजस्थान को माध्यम से नई पहचान मिल रही है और आगामी समय में राजस्थान देश में मॉडल स्टेट के रूप में उभरेगा।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (मा.सं.वि.) एवं 'सहकार से समृद्धि' के नोडल अधिकारी भोमा राम ने सहकारिता के उद्भव, विकास और इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता की भूमिका केवल विभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक आन्दोलन है। देश में 29 करोड़ लोग और राज्य में प्रत्येक पांचवां व्यक्ति सहकारिता से जुड़े हैं। इसका और अधिक विस्तार किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र्बनाने में सहकारिता का महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना पर भी विस्तार से प्रकाश डालते कहा कि इसके अंतर्गत डेटा बेस तैयार कर नई नीतियां बनाई जा रही है।

राइसेम के निदेशक रणजीत सिंह चूड़ावत ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 'सहकार से समृद्धि' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना पर आधारित एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें 60 से अधिक पहलों के माध्यम से सहकारिता को सशक्त बनाया जा रहा है। इनमें लगभग 14 पहलें ग्राम सेवा सहकारी समितियों से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सहकारिता का 125 वर्ष पुराना गौरवशाली इतिहास है, इसे हमें और अधिक समृद्ध बनाना है।

राष्ट्रीय महिला आयोग और आरसीडीएफ के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। प्रदेश के पशुपालन, डेयरी, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है, इसे अव्वल प्रदेश बनाने की दिशा में डेयरी के साथ-साथ गोपालन व पशुपालन विभाग की ओर से अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। खासकर दुग्ध उत्पादन के लिए गिर गाय में ब्राजील से आयातित सीमन से कृत्रिम गर्भाधान किया जा रहा है। इससे गिर गाय के दूध के उत्पादन में दोगुनी से भी ज्यादा वृद्धि होगी। इसके अलावा प्रदेश में गाय की संख्या में बढोतरी के लिए सैक्स सोर्टेड सीमन योजना को लागू किया गया है। ऐसा होने से प्रदेश में गौवंश की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन भी बढ़ेगा। वे राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) व राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में पालमपुर (गुजरात) की बनास डेयरी परिसर में तीन दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। डेयरी मंत्री कुमावत ने कहा कि प्रदेश के चार जिला दुग्ध संघों-जयपुर, सीकर, भरतपुर व टोंक की 48 महिला दुग्ध समितियों की सचिवों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण में महिला सचिवों को दुग्ध समितियों के बेहतर संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे न केवल समिति का मुनाफा बढ़ेगा बल्कि महिलाओं की कार्यकुशलता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के प्रशिक्षण का लाभ महिला दुग्ध समितियों से जुड़ी प्रत्येक महिला को दिलाए जाने का प्रयास किया जाएगा। डेयरी मंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। उन्होंने दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ावा दिए जाने पर बल दिया।

कुमावत ने कहा कि दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित होनी चाहिए। इसके लिए दुग्ध सहकारी समितियां प्रत्येक गांव में किसानों से संवाद स्थापित कर अपने कार्यों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र को किसानों के लिए अधिक फायदेमंद बनाने के लिए डेयरी संघ बेहतर मॉडल विकसित करें। डेयरी क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए।

मंत्री कुमावत ने बनास डेयरी द्धारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी प्रकार राजस्थान की सरस डेयरी भी इस क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है।

उद्घाटन सत्र को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरलाल चौधरी व आरसीडीएफ की एमडी श्रुति भारद्धाज ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बनास डेयरी के उपाध्यक्ष भावा भाई रबारी, बनास मेडिकल कॉलेज एंड ट्रस्ट के चेयरमेन पीजे चौधरी, बनास डेयरी के प्रबंध निदेशक संग्राम चौधरी व प्रिसिंपल प्राइवेट सेक्रेटरी रामावतार सिंह आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर ने कई संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर बालकृष्ण गोयल ने शुक्रवार को जयपुर शहर में कई संस्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाल अधिकारिता विभाग द्वारा जयपुर शहर स्थित गाँधीनगर में संचालित शिशु गृह एवं बालिका गृह का निरीक्षण कर संधारित रेकार्ड में पाई गई कमियों पर अधीक्षक को रेकार्ड का नियमानुसार संधारण करवा कर आयोग को अवगत करवाने के निर्देश दिए।

गोयल ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घाटगेट का भी निरीक्षण किया तथा उपस्थित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, मुकुल कविया को दो दिवस के भीतर विद्यालय प्रांगण की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिये । उन्होंने विद्यार्थियों से उनके कॅरियर, प्रेरणास्त्रोत एवं लक्ष्य पर चर्चा की एवं गुड टच – बेड टच के बारे में बताया। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को जिले के कुल विद्यालय एवं बच्चों की सूची उपलब्ध कराने हेतु निर्देश देते हुए विद्यालय की गरिमा पेटी को स्कूल विद्यालय की बाहरी दीवार पर चस्पा या पेंट करवाने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनबाडी केन्द्र, रैगरों की कोठी, संजय बाजार के निरीक्षण में विभागीय अधिकारी एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता को बच्चों का नामांकन बढ़ाने तथा गर्भवती महिलाओं को दिये जाने वाला पोषाहार समय पर देने के निर्देश दिए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम, जामडोली के निरीक्षण में व्यवस्थाएँ सन्तोषजनक पाई गई। इस पर श्री गोयल ने कहा कि प्रशासन को ऐसी संस्थाओं को सम्मानित कर प्रोत्साहित करना चाहिए। केन्द्रीय कारागृह में भोजन एवं चिकित्सा व्यवस्था सन्तुष्टिजनक पाये जाने जाने, नवाचारों के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने और बंदी एवं कर्मचारी कारागृह व्यवस्था से सन्तुष्टि जाहिर की।

राजस्थान में 3415 सूचना सहायक की जल्द होगी नियुक्ति, भर्ती से रोक हटी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सूचना सहायक भर्ती-2023 पर लगी रोक को हटा दिया। जस्टिस सुदेश बंसल की कोर्ट ने रोक हटाते हुए आदेश में कहा कि प्रश्नों के उत्तरों की शुद्धता से संबंधित विवाद में अदालत विषय विशेषज्ञ की तरह काम नहीं कर सकती। इस तरह के विवाद में न्यायिक समीक्षा का दायरा अत्यंत संकीर्ण (बहुत छोटा) है। ऐसा इसलिए किया गया है कि सार्वजनिक रोजगार को अंतिम रूप दिया जा सके। यहां तक की अगर मामूली गलती हो तो उसे भी स्वीकार भी किया जा सकता है।

अदालत ने सितंबर 2024 में भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाई थी, जिससे करीब 3415 पदों पर भर्ती अटक गई थी।

पांच प्रश्नों को लेकर था विवाद

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने पहले 16 जनवरी 2023 को 2730 पदों पर भर्ती निकाली थी। उसके बाद संशोधित करते हुए 27 जून 2024 को पद बढ़ाते हुए 3415 कर दिए गए। 21 जनवरी 2024 को रिटन एग्जाम हुआ। बोर्ड ने 2 फरवरी 2024 को प्राथमिक आंसर-की जारी करते हुए आपत्तियां मांगी। बोर्ड को करीब 89 सवालों पर आपत्तियां मिली। बोर्ड ने 80 आपत्तियों को खारिज करते हुए 7 सवालों को डिलीट कर दिया। वहीं दो सवालों के उत्तर बदल दिए।

1 जुलाई 2024 को फाइनल आंसर-की जारी करते हुए परिणाम घोषित कर दिया, जिसके बाद याचिकाकर्ताओं ने 5 सवालों को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

अदालत ने कहा- बोर्ड ने एक्सपर्ट कमेटी के आधार पर फाइनल आंसर-की जारी की। वहीं याचिकाकर्ताओं ने न तो परीक्षा की निष्पक्षता पर कोई सवाल उठाया और न ही बोर्ड के एक्सपर्ट की विश्वसनीयता को चुनौती दी। केवल इस आधार पर की याचिकाकर्ता फाइनल आंसर-की में इन पांच सवालों के जवाब से संतुष्ट नहीं है, लेकिन यहां हमें यह भी देखना है कि भर्ती से हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य जुड़ा हुआ है। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता।

ऊर्जा मंत्री ने अंत्योदय संबल पखवाड़ा में हुई प्रगति की समीक्षा की, विशेष मॉनिटरिंग करने के दिए निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने शुक्रवार को कोटा कलेक्ट्रेट में अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अन्तर्गत अब तक लगे शिविरों में हुई प्रगति की समीक्षा की।

नागर ने बताया कि आमजन की समस्याओं का एक ही छत के नीचे समाधान करने की मंशा से ये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में समस्याएं लेकर आने वाले ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना सुनिश्चित करें। अधिकारी रास्ता खोलने, आपसी सहमति से भूमि विभाजन, नामांतरकरण, शुद्धिकरण सहित राजस्व से जुड़े सभी प्रकरणों की विशेष मॉनिटरिंग करें ताकि आमजन को राहत मिल सके।

उन्होंने कहा कि शिविरों में अधिकतर प्रकरण बंद रास्ते खोलने या रास्ता चालू होने के बावजूद राजस्व रेकार्ड में अंकन नहीं होने सम्बंधित आ रहे हैं। उपखंड अधिकारी इस समस्या के समाधान कर विशेष ध्यान दें। शिविर में आए ग्रामीण की समस्या का किसी कारण से तुरंत समाधान नहीं हो सके तो उन्हें इस बात के लिए आश्वस्त किया जाए कि उनकी समस्या के समाधान के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे। गुरूवार तक जिले में 112 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।

बैठक में श्री नागर ने कहा कि शिविरों में राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) के स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाने वाले किसानों को उनके खेत की मिट्टी के अनुसार फसल उगाने के बारे में जागरूक किया जाए। बीज मिनी किट वितरण से पहले पोर्टल पर आवेदन के संबंध में जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया के माध्यम से किसानों को दी जाए ताकि जरूरतमंद किसान इसका लाभ उठा सकें। बैठक में बताया गया कि शिविरों में अब तक 1234 मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए हैं। उन्होंने पीएचईडी अभियंताओं को कंटीजेंसी में शामिल कार्य गर्मी का मौसम समाप्त होने से पहले पूरे करने के निर्देश दिए। नागर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ ले रहे अपात्र व्यक्ति अगर गिव-अप अभियान में अपना नाम नहीं हटवा रहे हैं तो उन्हें नोटिस जारी कर बताया जाए कि अपनी इच्छा से नाम नहीं हटवाएंगे तो खाद्य सामग्री की रकम के साथ ही जुर्माना भी वसूल किया जाएगा। उन्होंने इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। श्री नागर ने मौसमी बिमारियों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी ली।

हरियालो राजस्थान अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए श्री नागर ने पिछले साल लगाए गए पौधों में से जीवित पौधों की संख्या की तुलना कर बेहतर देखभाल कर इस साल अधिक से पौधों को वृक्ष में विकसित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए । बैठक में जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, सांगोद प्रधान जयवीर सिंह, प्रेम गोचर, जिला कलक्टर पीयूष समारिया, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुजीत शंकर, सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे ट्रैक पर स्टंट कर बनाई रील, इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते ही पुलिस ने पकड़ा

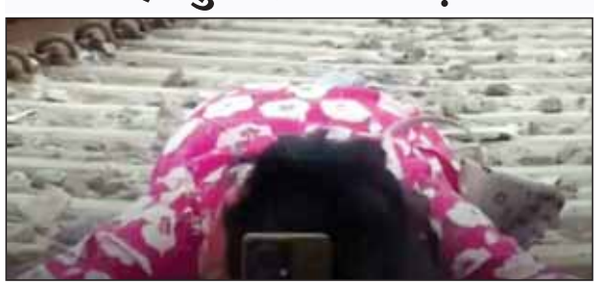

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में रेलवे ट्रैक पर स्टंट कर रील बनाने का मामला सामने आया है। रेलवे ट्रैक के बीच लेटकर युवती ने ट्रेन के ऊपर से निकलने का वीडियो बनाने की खतरनाक रील बनाई। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते ही आरपीएफ ने युवती व उसके दोस्त को अरेस्ट कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। दोनों आरोपियों को 5-5 हजार रुपए का जुर्माना लगाकर दंडित किया गया।

आरपीएफ इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार ने बताया- सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए युवक-युवतियां अपनी जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं। 29 जून को ढेहर के बालाजी रेलवे स्टेशन पर एक युवती अपने दोस्त के साथ रील बनाने के लिए पहुंची थी। रेलवे ट्रैक के बीच लेटकर युवती ने मोबाइल से वीडियो शूट किया। वीडियो में दिखाया गया कि ट्रेन के आने के दौरान वह पटरियों के बीच में लेट गई। लेटने के बाद ट्रेन उसके ऊपर से निकल गई। ट्रेन के ऊपर से निकलने के बाद भी उसका कुछ नहीं हुआ। ट्रेन के ऊपर से निकलने के बाद भी सुरक्षित होने का वीडियो उसने खुद व अपने दोस्त की मदद से बनाया। मोबाइल से रील बनाकर इंस्टाग्राम अकाउंट पर उसको पोस्ट कर दिया।

5-5 हजार रुपए का लगा जुर्माना: सोशल मीडिया अकाउंट पर रील के वायरल होते ही वीडियो पुलिस तक जा पहुंचा। वीडियो में ढेहर के बालाजी रेलवे स्टेशन पर शूट होने का पता चलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इंस्टाग्राम अकाउंट से युवती की तलाश शुरू की। स्टेशन पर लगे फुटेजों के आधार पर युवती के बाइक पर अपने साथी के साथ आने का पता चला। पुलिस ने सर्च कर रेलवे ट्रैक पर खतरनाक स्टंट कर वीडियो बनाने वाली युवती व उसके दोस्त को धर-दबोचा। आरपीएफ की ओर से अरेस्ट दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश पर दोनों आरोपियों से 5-5 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया।

धन्य है सनातन संस्कृति में शंख वादन

एसके मंगल

एक आदमी डॉक्टर था। वह बीमार हो गया। दिमाग चिड़चिड़ा रहता था। टेंशन था। नींद नहीं आती थी। सर दर्द रहता था। जांच में पाया कि लिवर, किडनी, फेफड़े एवं हार्ट में परेशानी है। चिकित्सा करने के बाद निराशा हाथ लगी। एक दिन एक महात्मा ने उसके द्वार पर शंख बजा कर भिक्षा मांगी। वह बाहर आया तो महात्मा ने निराशा का कारण पूछा तो डॉक्टर ने सारी कहानी बता दी। महात्मा बोले लो बेटा आज से रोज शंख बजाया करो और धार्मिक के साथ-साथ इसके वैज्ञानिक कारण को समझो। डॉक्टर रोज शंख बजाने लगा। कुछ समय पश्चात वह स्वस्थ हो गया। यह कहानी गुरु के मुख से सुनी थी। शंख बजाने के वैज्ञानिक कारण यह है शंख से जो ध्वनि उत्पन्न होती है वह गोल-गोल वातावरण में जाती है जिससे वहां के बैक्टीरिया एवं वायरस खत्म हो जाते हैं एवं हाइजीन पैदा होती है। शंख बजाने से पहले गहरी सांस लेनी पड़ती है जिससे प्राणायाम बनता है। शंख बजाने के लिए जोर से फूंक मारने पड़ती है जिससे हमारे फेफड़ों किडनी स्वस्थ होते हैं एवं हार्ट की ब्लॉक नसें खुलती हैं। एक विशेष प्रकार का वाइब्रेशन पैदा होता है जिससे हमारा मेडिटेशन होता है एवं मस्तिष्क संबंधी सारी समस्याएं धीरे-धीरे खत्म होने लगते हैं। हमारी सनातन पद्धतियों को ध्यान से देखें तो हर एक का बहुत बड़ा वैज्ञानिक महत्व ह। आखिर यूं ही मंदिरों में शंख बजते नहीं आ रहे हैं। इसी कारण चतुर्भुज नारायण के हाथ में शंख है। शंख की ध्वनि नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और वातावरण में सकारात्मकता लाती है। यह पूजा-पाठ में शुद्धता बढ़ाता है। शंख बजाने से फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे श्वसन तंत्र बेहतर होता है।इसकी ध्वनि मस्तिष्क को शांत करती है, तनाव और चिंता को कम करती है। इससे पेट की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है, जिससे पाचन क्रिया में सुधार हो सकता है। शंख की ध्वनि से उत्पन्न कंपन बैक्टीरिया और कीटाणुओं को नष्ट कर सकते हैं, जिससे वातावरण शुद्ध होता है। नियमित शंख बजाने से एकाग्रता बढ़ती है और ध्यान में मदद मिलती है। शंख बजाने से ग्रह दोष, विशेषकर चंद्रमा से संबंधित समस्याएं कम होती है। बजाने से पहले शुद्ध जल से धोना चाहिए और सही तकनीक का उपयोग करना चाहिए, ताकि स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

राजकीय महाविद्यालय बूंदी में स्कूटी वितरण कर मनाया जा रहा है अंत्योदय पखवाड़ा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । वर्ष 2021-22 एवं 2022-2023 की लम्बित 11 स्कूटी का हुआ वितरण। ऐसी 188 स्कूटीयों का किया जाना है वितरण अब तक 157 स्कूटीयों का वितरण हों चुका है ।

राज्य सरकार के पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा दिनांक 24 जून 2025 से 9 जुलाई 2025 तक मनाया जा रहा है इसके तहत वर्ष 2021 22 एवं 2022 23 की लंबित स्कूटीयों का वितरण राजकीय महाविद्यालय बूंदी द्वारा किया गया । उक्त कार्यक्रम में ई वाउचर से कुल 188 स्कूटी का वितरण किया जाना है जिनमें से आज दिनांक 05 जुलाई 2025 को 11 स्कूटीयों का वितरण किया गया उक्त कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा ई वाउचर का रिडेंप्शन टीवीएस शोरूम में किया गया एवं वहां पर स्कूटी का वितरण किया गया । आज वितरित की गई स्कूटियों में ,काली बाई स्कूटी वितरण योजना,एवं देवनारायण स्कूटी वितरण योजना की स्कूटी वितरित की गई । राजकीय महाविद्यालय बूंदी से नोडल डॉ महिमा शर्मा, कालीबाई स्कूटी वितरण प्रभारी श्री मुकेश मीणा, कालीबाई स्कूटी वितरण सह प्रभारी श्री नरेश कुमावत एवं देवनारायण स्कूटी वितरण प्रभारी श्री सुरेश माली एवं जावेद उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं छात्राओं के दस्तावेज सत्यापन करने के उपरांत पात्र छात्राओं को स्कूटीयों का वितरण किया गया। अब तक कुल 157 स्कूटी का वितरण हो चुका हैं।

स्कूटी वितरण का कार्यक्रम 9 जुलाई तक चलेगा जिसमें समस्त 188 स्कूटीयों का वितरण किया जाना है । बहुत दिनों से लंबित स्कूटी वितरण पुनः शुरू होने पर छात्राओं और उनके परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे ।

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष व पार्षद शालिनी गौतम के जन्मदिन पर विभिन्न सेवा कार्य आयोजित

रक्तदान शिविर में 124 यूनिट रक्त एकत्रित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । महिला कांग्रेस कोटा शहर जिला अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद शालिनी गौतम के जन्मदिवस पर शहर में विभिन्न सेवा कार्य आयोजन किए गए जिनमें रक्तदान, गौसेवा, फल वितरण, पौधारोपण, खाने के पैकेट का वितरण और वृद्ध सेवा जैसे पुण्य कार्यों ने इस दिन को प्रेरणादायी बना दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस महासचिव राखी गौतम रही । इस अवसर पर राखी गौतम ने कहा कि यह केवल आयोजन नहीं, बल्कि एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि की सोच और समर्पण का प्रतीक है। रक्तदान से लेकर गौसेवा, वृक्षारोपण से लेकर वृद्धजन सम्मान तक – हर पहलू में समाज के हर वर्ग को जोड़ा और यह दिखाया कि राजनीति का असली उद्देश्य जनसेवा ही है ।

शालिनी गौतम ने सभी आयोजकों और सहभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सच्चा उत्सव वही होता है जो समाज की सेवा और ज़रूरतमंदों की मदद के साथ मनाया जाए। मैं सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने यह दिन मेरे नहीं, समाज के नाम किया । विश्वविद्यालय के छात्र नेता करन सिंह नायक द्वारा मेडिकल कॉलेज के सामने स्थित अग्रसेन धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 124 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ । रक्तदान शिविर में मुख्य रूप से अंकुर गौतम, शिवदान, तिलकराज,शशांक नरवाला, विक्रम, पंकज सैनी, शुभम नागर ,दीपक नागर, अवेदेश हाड़ा, गौरव जांगिड, डीके, भवानी, हेमंत प्रकाश नायक, अरूण नायक आदि उपस्थित रहे ।

युवा कांग्रेस प्रदेश कॉर्डिनेटर आशीष गुर्जर ने मेडिकल कॉलेज के प्रसूति वार्डों में फल वितरित कर मातृशक्ति का सम्मान किया । विनोद योगी के नेतृत्व में झुग्गी झोपड़ियों में बच्चों को खाने के पैकेट वितरित किए गए । समाजसेवी रोहित प्रजापति ने दादाबाड़ी की गौशालाओं में जाकर गायों को हरा चारा डाला । मंडल अध्यक्ष धर्मवीर मेघवाल ने स्वामी विवेकानंद नगर स्थित सेवाधाम वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को शॉल पहनाकर व भोजन करवाया। आदर्श विद्यार्थी सेवा संस्थानके द्वारा रंगबाड़ी बालाजी मंदिर परिसर में 200 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की पहल की।

प्रसव पीडा के दौरान 108 एंबुलेंस में गूंजी किलकारी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । बून्दी पुलिस लाइन 108 एंबुलेंस में प्रस पीडा के दौरान एंबुलेंस में ही प्रवस कराए जाने का मामला सामनं आया है। लोको पायलट अभ्यानन्द ने बताया कि राताबरडा गांव निवासी गर्भवती महिला काली भील के परिवारजनों ने 108 एंबुलेंस को फोन किया कि महिला को प्रवस पीडा हो रही है। उसे जिला अस्पताल लेकर जाना है । सूचना मिलने के बाद एंबुलेंस गांव पहुंची और गर्भवती महिला को जिला अस्पताल लेकर आने लगी। रास्ते में ही गर्भवती को अधिक पीडा हुई। श्योपुरिया की बावडी के पास एंबुलेंस को एक और खडा कर परिजनों की सहमती से एंबुलेंस में प्रवस करवाया गया । प्रवस के बाद मां और बच्चे को जिला अस्पताल लेकर आए जहा चिकित्सको द्वारा जांच के बाद दोनों को भर्ती कर लिया गया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ है इस कार्य में पायलट बंटी जांगिड़ का भी सहयोग रहा। महिला के परिजनों ने एंबुलेंस कर्मीयों का आभार जताया ।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविरों का आयोजन जारी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । एडीएम जबर सिंह ने बताया कि जिले में जनजातीय समुदाय के समग्र विकास एवं उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत विशेष शिविरों का आयोजन जारी है ।

यह अभियान ग्राम पंचायत स्तर पर 15 जून से शुरू हुए जो 15 जुलाई 2025 तक आयोजित किए जा रहे है । जिसके तहत ब्लॉक किशनगंज की ग्राम पंचायत बादीपुरा, बन्दाखुर्द, पचलावड़ा, ब्लॉक अटरु की ग्राम पंचायत खड़ीला, ब्लॉक मांगरोल की ग्राम पंचायत जारेला, मऊ, ब्लॉक छीपाबडौड़ की ग्राम पंयायत अजनावर, अमलावदाआली, ब्लॉक बारां की ग्राम पंचायत बटावदा, ब्लॉक शाहाबाद की ग्राम पंचायत ढिकवानी व पीपलखेड़ी में शिविर आयोजित किए जाएंगे । एडीएम सिंह ने सभी पात्र जनजातीय परिवारों से आग्रह किया है कि वे इन शिविरों में भाग लें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वयं को एवं अपने परिवार को सशक्त बनाएं, ताकि कोई भी हितग्राही लाभ से वंचित न रहे ।

विधायक राधेश्याम बेरवा ने होनहार छात्रा को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 51 सौ रु. चेक देकर सम्मानित किया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । विद्यार्थी सम्मान समारोह - 2025 के अवसर पर बारां-अटरू विधानसभा क्षेत्र की एक होनहार छात्रा को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विधायक राधेश्याम बेरवा ने अपनी ओर से ?5100 का चेक भेंट कर सम्मानित किया । पुरस्कृत हुई छात्रा इस प्रकार गरिमा में समारोह के दौरान सम्मानित होने पर अपने आप को गौरवान्वित महसूस किया इसके अलावा उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अपने शिक्षक गुरुओं एवं माता-पिता को श्रेय दिया । विधायक बैरवा ने छात्रा का मनोबल बढ़ाया और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं । उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल विद्यार्थियों की मेहनत का फल है, बल्कि क्षेत्र की शिक्षा को नई दिशा देने वाला प्रेरणास्रोत भी है ।

बैरवा ने कहा कि ÷शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता ही विकास का आधार है ।÷ इस मौके पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर एवं पूर्व विधायक हेमराज मीणा व पूर्व जिला अध्यक्ष आनंद गर्ग इत्यादि उपस्थित थे ।

लायंस क्लब कोटा टेक्नो ने निर्धन असहाय को बांटे छाते

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । लायंस क्लब कोटा टेक्नो की उर्जावान टीम सेवा के क्षेत्र में असहाय व निर्धन की सेवा के संकल्प को दौहराया जा रहा है और उनकी सेवा की जा रही है। लायंस क्लब कोटा टेक्नो उप प्रांतपाल प्रथम निशांत जैन इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे और कार्यों की सराहना की। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व कार्यक्रम संयोजक सुशील मोदी ने कहा कि मौके पर 25 छातो का वितरण किया गया । टेक्नो की अध्यक्ष डॉ. क्षिप्रा गुप्ता ने कहा कि बरसात के मौसम में निर्धन, असहाय, जरूरतमंदों को आने जाने में काफी समस्या आती है और इसकी के चलते इन सभी को छाते बांटे गए ताकी यह अपना बचाव कर सकें । सचिव सिद्धार्थ गुप्ता व कोषाध्यक्ष नीलम ने कहा कि हम सभी का नैतिक दायित्व है कि हम जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे आए और मदद का हाथ बढाएं । जोन चेयरमैन एके गुप्ता, रजनी गुप्ता, नीलम गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, निधि गुप्ता, सहित कई लोग भी उपस्थित रहे। निदेशक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि यह सेवा कार्य वर्षपर्यंत जारी रहेंगे ।

सहकारी समितियों मे डीएपी ओर यूरिया खाद पर्याप्त मात्रा मे उपलब्ध कराए सरकार : मनोज दुबे

खाद की किल्लत दूर नही हुई तो भा. राष्ट्रीय किसान महासभा सड़को पर उतर कर विरोध करेगीं

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटा । भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर किसानो को खरीफ की फसलों की बुआई के लिए सहकारी समितियों मे पर्याप्त मात्रा मे डीएपी ओर यूरिया खाद उपलब्ध कराए जाने की मांग की है । दुबे ने कहा की किसानो को खरीफ की फसलों की बुआई के लिए डीएपी खाद व यूरिया की आवश्यकता है। लेकिन किसान डीएपी व यूरिया की किल्लत से परेशान है। किसान डीएपी खाद की किल्लत से जूझ रहे है और सहकारी समितियों के चक्कर लगा रहे है । मनोज दुबे ने कहा की किसानों की जरुरत, मांग और वक्त की जानकारी के बाद भी सरकार जानबूझकर खाद की किल्लत पैदा कर रही है।डीएपी खाद व यूरिया की किल्लत होने से किसान बाज़ार में महंगे दाम पर डीएपी खाद खरीदने को मजबूर है। सरकार की लापरवाही से किसानों को डीएपी खाद व यूरिया की भारी किल्लत हो रही है।जिसका लाभ उठाकर निजी व्यापारी डीएपी खाद के मनमाने दाम वसूल रहे है । मनोज दुबे ने आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा की डीएपी ओर यूरिया खाद की किल्लत दूर नही हुई व कालाबाजारी बंद नही हुई तो भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा सड़को पर उतर कर पूरे प्रदेश मे सरकार का पुरजोर विरोध करेगीं।

बच्चा बड़ा होकर राम बनेगा या रावण ये शिक्षक के हाथ, बच्चों को भविष्य के हिसाब से गढ़े शिक्षक -शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

देवपुरा बंजारा स्कूल को उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत किया,संस्कृत विषय के अध्यापक के पद सृजित करने के निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां/अंता । शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने कहा है कि बच्चे का भविष्य कैसा होगा ये स्कूल के शिक्षकों के हाथ में है। स्कूल में शिक्षक यदि अच्छा पढ़ाता है। बच्चों को अच्छे संस्कार देता हैं तो वह बड़ा होकर आदर्श नागरिक बनेगा लेकिन यदि शिक्षक अपने कर्तव्य में लापरवाही करता है तो बच्चों को नुकसान होता है। बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह है। वो बड़ा होकर राम जैसा बनेगा या रावण की तरह होगा ये शिक्षक पर निर्भर करता है। शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। श्री दिलावर आज यहां अंता मैं महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय रातडिया में आयोजित पुस्तकालय कक्ष के लोकार्पण अवसर पर बोल रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का विशेष जोर प्रदेश में गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर है। इसके लिए लगातार सरकार प्रयास कर रही है। हमने प्रदेश के सभी 970 महात्मा गांधी विद्यालय में विज्ञान संकाय प्रारंभ कर दिए हैं ताकि बच्चों को विज्ञान विषय के अध्ययन के लिए दूर नहीं जाना पड़े।

हर छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करने के उद्देश्य को लेकर प्रदेश के 96 उच्च प्राथमिक विद्यालयों को सीधे ही उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत कर दिया गया है । 99 विद्यालय में अतिरिक्त संकाय खोलने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है। जब सत्र के प्रथम दिन ही विद्यालय क्रमोन्नत करने और संकाय खोलने की आदेश जारी हुए हैं। 11576 शिक्षकों को महात्मा गांधी स्कूलों में लगाया गया है। ताकि बच्चों की शिक्षा प्रभावित ना हो। शीघ्र ही शेष रिक्त पदों को भी भर दिया जाएगा । इससे पूर्व शिक्षा मंत्री ने विद्यालय में नवनिर्मित पुस्तकालय एवं वाचनालय भवन का लोकार्पण किया। यहां उपस्थित बच्चों से वार्ता भी की। इसके बाद विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया तथा स्कूल भवन में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का लोकारण भी किया। शिक्षा मंत्री श्री दिलावर ने इस अवसर पर दानदाताओं का सम्मान भी किया । कार्यक्रम में मंत्री श्री दिलावर ने स्कूल में इंटरलॉकिंग के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके अलावा देवपुरा बंजारा स्कूल, अंता को उच्च प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्कूल में क्रमोन्नत करने ।

भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्री राम महायज्ञ का आगाज आचार्य विष्णु तिवारी के सानिध्य में विधिवत्त पूजा अर्चना के साथ शुरू हुआ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । सप्तम सवा लाख हनुमान चालीसा के पंद्रहवें दिन भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्री राम महायज्ञ का आगाज आचार्य विष्णु तिवारी के सानिध्य में विधिवत्त पूजा अर्चना के साथ शुरू हुआ । इस अवसर पर चौथ माता प्रांगण से ठाकुर जी का विमान ,सजी-धजी महिलाएं , पीली पगड़ी बांधे पुरुष बैंड बाजो की धुन पर श्री राम के जयकारे लगाते हुए नरसिंह आश्रम तक पहुंचे । जहां पर सभी श्रद्धालुओं ने बाबा के जयकारे लगाए हनुमान चालीसा का पाठ किया और सात दिवसीय श्री राम महायज्ञ के साक्षी बने । भरत शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर समिति के सभी सदस्य और शहर के धर्म प्रेमी बंधु उपस्थित रहे । समिति के अध्यक्ष राजेश शर्मा , उपाध्यक्ष गिरिराज प्रजापत, सचिव दिलीप शर्मा ,कन्हैयालाल शर्मा, जितेंद्र शर्मा ,जगदीश गुर्जर ,लोकेश शर्मा ,यशवंत शर्मा ,राहुल सेन ,राजू गुर्जर आदि ने भगवान के विमान को अपने कंधे पर उठाकर चौथ माता प्रांगण से नरसिंह आश्रम पर पहुंचा और इस भव्य आयोजन का सामूहिक रूप से आनंद लिया । सभी ने केसरी नंदन हनुमान जी महाराज के दरबार में ढोक लगाकर देश की खुशहाली की कामना की ।

दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारी शुरु

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । मीरा गेट स्थित जंगम की बगीची शनि मंदिर गौ शाला में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव महंत बाल योगी देवेंद्र गिरी के सानिध्य में धूमधाम से मनाया जाएगा । बगीची से जुड़े राज कुमार दाधीच, मन मोहन अजमेरा ने बताया कि जंगम की बगीची पर दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव बाबा बिहारी गिरी (खड़ेश्वरी) के शिष्य देवेंद्र गिरी के सानिध्य में जंगम की बगीची में मनाई जाएगी। 9 जुलाई को जागरण विधिवत पूजा पाठ के साथ शुरू होगा । 10 जुलाई गुरुवार को प्रातः सभी गुरुओं बाबा समुद्र गिरी, बाबा काशी गिरी, बाबा चमन गिरी, बाबा बिहारी गिरी की समाधियों पर विधिवत पूजन होगा। फिर भक्तों द्वारा महंत बाल योगी देवेंद्र गिरी का गुरुपूजन होगा। उसके बाद 11 बजे भक्तों को गुरु दीक्षा दी जाएगी। दिन में 12 बजे बाद हवन किया जाएगा। देवेंद्र गिरी के म सानिध्य में विधि विधान से शनि भगवान, पंचमुखी हनुमान सहित स्थानीय देवी देवताओ की विधिवत पूजा अर्चना पंचामृत स्नान के साथ होगी । बृजमोहन यादव, सूरज राठौर ने बताया कि शाम को महाआरती के साथ प्रसादी वितरण किया जाएगा । आश्रम से जुड़े रामेश्वर धाबाई, आशीष गुप्ता, रूपचंद धनवानी, शिव प्रसाद जांगिड़, तपन दाधीच, नवल राठौर, बाबू पूरी, दुर्गा लाल राठौर, शिव गोस्वामी, श्याम राठौर, जगदीश रगड़ा,प्रमुख रूप से व्यवस्थाओं में लगे हुए है ।

डीटीओ ने बालवाहिनी जांच में 3 बसें सीज की, परिवहन नियमों के पालन के निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां/छबड़ा । जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के नेतृत्व में शनिवार को अटरु, छबड़ा और कवाई क्षेत्रों में बालवाहिनियों की विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाली बसों की नियमों के अनुसार गहन जांच की । अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर 3 बसों को मौके पर ही सीज कर लिया गया, जबकि 3 अन्य बसों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई । डॉ. शर्मा ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी स्कूल प्रबंधकों व बस संचालकों से अपील की कि वे परिवहन नियमों का सख्ती से पालन करें और फिटनेस, पीयूसी, परमिट एवं अन्य अनिवार्य दस्तावेजों को अद्यतन रखें। यह जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत

जिले में अब तक 157 बंद रास्ते खुलवाए, आपसी सहमति से जमीन के 91 मामलों का निपटारा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । जिले में चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के शिविरों में जिलेभर के गांवों में सालों से बंद पड़े बंद रास्तों को आपसी सहमति से खुलवाया गया है। इसके साथ ही राजस्व कोर्टों में कई वर्षों से चल रहे सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी, नामांतरण व सहमति पत्र सहित कई जमीनी मुकदमों का समझाईश से निपटारा किया गया है। गुरुवार को जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने ग्राम पंचायत लिसाड़िया में आयोजित शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर ही ग्रामीणों को स्वामित्व योजना के अंतर्गत पट्टों का वितरण किया । अब तक जिले में की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार पखवाड़े में राजस्व विभाग द्वारा सीमाज्ञान के 618 प्रकरण, नामान्तकरण के 1086 प्रकरण, सहमति विभाजन के 91 प्रकरण, रास्तों के 157 प्रकरणों का निस्तारण किया गया ।

कृषि उपज मंडी के 11 मुनीम गुमास्ता अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना, मंडी व्यापारियों ने स्वागत -अभिनंदन के साथ रवाना किया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । सनातन धर्म की जय हो -अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो विश्व का कल्याण हो, इसी भावना को लेकर बारां कृषि उपज मंडी के 11 मुनीम- गुमास्ता शुक्रवार शाम अमरनाथ यात्रा के लिए बारां से रवाना हुए । प्रतिवर्ष धर्म की यात्रा पर जाने वाले कृषि मंडी के मुनीम गुमास्ता? इस बार विश्व कल्याण की भावना को लेकर बाबा बर्फानी दर्शन के लिए अमरनाथ यात्रा की कामना की और इसी कामना पूर्ति के लिए मुनीम अंकुश, गणेश गर्ग, रामनिवास सुमन, गणेश गुर्जर, शुभम नागर ,विवेक खन्ना, कार्तिक शर्मा, विष्णु सुमन, सुरेंद्र पोर्टल, गणेश कुमार सहित 11 युवा बारां से कोटा होते हुए श्रीनगर के लिए प्रस्थान कर गए वहां से यह लोग अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर पहलगाम के रास्ते बाबा भोले बर्फानी का दर्शन करेंगे । मंडी के मुनीम एवं गुमास्ताओं की धार्मिक यात्रा पर कृषि उपज मंडी व्यापारी सतीश कुमार खंडेलवाल, धर्मचंद जैन . विमल कुमार बंसल मंडी अध्यक्ष मनीष कुमार लश्करी भारत कुमार जैन, ललित मोहन खंडेलवाल ने यात्रा पर उन्हें विश्व कल्याण की भावना को लेकर शुभकामना देते हुए विदा किया ।

भारत विकास परिषद द्वारा विद्यार्थियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । भारत विकास परिषद, शाखा बारां द्वारा विद्यार्थी उत्कृष्टता सम्मान समारोह 2025 का भव्य आयोजन शनिवार को कोटा रोड स्थित निजी होटल के सभागार में सम्पन्न हुआ । इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्षआनंद गर्ग, प्रांतीय अध्यक्ष रवि शंकर मूंदड़ा ,प्रांतीय महासचिव हिमांशु चतुर्वेदी, विधायक राधेश्याम बेरवा,ललित मीणा, शिक्षाविद्, समाजसेवी,जिला प्रभारी धीरज बाठला, प्रांतीय उपाध्यक्ष महेद्र नागर ,जिला शिक्षाअधिकारी ,हेमराज मीणा,योगेश कुमरा,मोरपाल सुमन,प्रखर कौशल छबड़ा ,अंता ,छीपाबडौद के सदस्य ,पत्रकार एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे । सर्व प्रथम भारत माता एवम स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पाहार व दीप प्रजव्लित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । वंदेमातरम कार्यक्रम के पश्चात कार्यक्रम शुरू हुआ, सभी मंचासीन अतिथि यो का स्वागत हुआ, उसके पश्चात सम्मान समारोह प्रारंभ हुआ । समारोह में वर्ष 2025 की 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में 90त या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 370 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, एक पौधा घर पर लगाने हेतु दिया एवं स्मृति चिन्ह व मैडल से सम्मानित किया गया ।

मुख्य अतिथि दिलावर ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। यह सम्मान केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उनके माता-पिता और शिक्षकों के लिए भी एक गौरव का क्षण है । कार्यक्रम का संचालन सुनील शर्मा एवम् हितेश खण्डेलवाल ने किया, धन्यवाद भाषण शाखा अध्यक्ष नरेश खंडेलवाल द्वारा दिया गया । परिषद की ओर से यह संकल्प लिया गया कि ऐसे प्रोत्साहनात्मक आयोजन प्रतिवर्ष आयोजित किए जाएंगे ताकि जिले में शिक्षा का स्तर और ऊँचा उठ सके।कार्यक्रम में कविता गुप्ता,प्रियंका गुप्ता,मंजू मित्तल, सुलेखा माहेश्वरी, नेहा गुप्ता आशा विजय,प्रियंका गर्ग,राधे खडेलवाल, इन्दु गुप्ता, प्रीती चौरसिया,राधे खडेलवाल माहेष्वरी, पराग टोंग्या,अम्बिका शर्मा,मुकेश गुप्ता,राकेश बंसल,नरेंद्र गोयल,अजय माहेश्वरी,राजकुमार खींची, नरेश गुप्ता,वीरेंद्र माथोडिया,रमाकांत गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, राजेश मित्तल, राजेन्द्र डंग,मनोज मित्तल,गिरिराज माहेश्वरी, राजेन्द्र विजय,हेमंत मंगल, पवन गौतम,पवन चौरसिया, धीरज हल्दिया, दिनेश गर्ग,जयप्रकाश विजय,अशोक गोयल, कपिल जैन,हरीश झलावादी, अमित अरोरा अजय गुप्ता,प्रदीप गुप्ता आदि सदस्य उपस्थित रहे ।

कांग्रेस सेवादल ने गौशाला में गौवंशों को चारा खिलाकर प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । बारां जिला कांग्रेस सेवादल ने सेवादल प्रदेश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत का जन्म दिवस मनाया और 7 जुलाई को उर्मिला जैन भाया का जन्मदिन मनाया जाएगा। मीडिया प्रभारी पार्षद ज़ाकिर खान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत के जन्म दिवस के अवसर पर बारां सेवादल ने ज़िला अध्यक्ष शिवशंकर यादव के नेतृत्व में गौशाला में गौवंशों को चारा खिलाकर प्रदेश अध्यक्ष का जन्म दिवस मनाया और आगे बताया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा 7 जुलाई को जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया के जन्मदिवस पर सोमवार सुबह 11 बजे से गौशाला में चारा, हॉस्पिटल में फल वितरण, गरीबों को भोजन और कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता अधिक से अधिक संख्या में पहुंचेंगे ।

» धौलपुर..भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना करते भाजपा जिलाध्यक्ष राजवीर सिंह राजावात

» धौलपुर..भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

शहरभर में निकली भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

» धौलपुर..भगवान जगन्नाथ की रथ को रस्सी के सहारे खींचते श्रद्धालु

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। इस्कॉन धौलपुर के द्वारा शनिवार शाम को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। रथ यात्रा में भाजपा नेत्री नीरजा अशोक शर्मा द्वारा पूजा अर्चना कर भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ किया गया। रथ यात्रा का शहर में जगह-जगह स्वागत किया गया। रथ यात्रा का रास्ते में भाजपा जिलाध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत ने भगवान जगन्नाथ रथ की पूजा अर्चना की। रथ यात्रा गंगा की बगीची से प्रारंभ होकर जगन टॉकीज, लाल बाजार होते हुए भार्गव वाटिका पहुंची, जहां सभी भक्तों के लिए विपुल मात्रा में भंडारे प्रसाद का आयोजन किया गया। भगवान जगन्नाथ कथा बलदेव अपनी बहन सुभद्रा के रथ पर सवार होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होकर अपने सभी भक्तों को दर्शन दिए तथा जगन्नाथ के भक्तों ने भी पूरे भक्ति भाव से रथ को रस्सी के सहारे खींचा। रथयात्रा में सुंदर सुंदर झाकियों ने अलग ही छठा बिखेरी, सभी भक्त सुंदर सुंदर वस्त्र पहनकर नृत्य करते हुए भगवान जगन्नाथ का स्वागत किया। जगन्नाथ रथयात्रा की समाप्ति पर 56 भोग लगाए गए । इस मौके पर रथ यात्रा में पीसी बोहरा, विकास कुमार, धीर सिंह जादौन, डॉ. मनोज शर्मा, नितिन अग्रवाल, बाचाराम बघेल, राजेन्द्र शर्मा विशम्भरदयाल शर्मा, पुष्पेन्द्र राजावत, नवीन यादव, राम शर्मा सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक व श्रद्धालु मौजूद रहे।

» धौलपुर.. रथ यात्रा के दौरान नृत्य करतीं महिलायें

मोहर्रम : जिलेभर में रहेगें सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त

मोहर्रम के दौरान जिले के अलग-अलग इलाकों से ताजिए निकाले जाएंगे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर..सुरक्षा को लेकर सीएलजी की बैठक लेते पुलिस अधिकारी

धौलपुर। मोहर्रम पर शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ मुख्यालय बाड़ी कमल कुमार जांगिड के सुपरवीजन में धौलपुर पुलिस ने कड़े व पुख्ता इंतजाम किए है। इस दौरान असामाजिक तत्वों पर सड़क से सोशल मीडिया तक पुलिस कड़ी निगरानी रखेगी। पुलिस, आरएसी और होमगार्ड के साथ ही सादा वर्दी में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे जो असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे। अभय कमांड सेंटर से शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। सोशल मीडिया पर अफवाहे फैलाने और भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर भी नजर रखी जा रही है।

जिले में सभी जगह पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। थानों और पुलिस लाइन का भी जाप्ता तैनात किया जा रहा है। आरएसी और होमगार्ड का जाप्ता तैनात किया जा रहा है। इसके लिए थानों पर शांति समिति, पुलिस मित्रों, सुरक्षा सखियों और सीएलजी सदस्यों की बैठकों का आयोजन किया गया है। थानों पर शांति समिति और सीएलजी की बैठकों का आयोजन किया गया है। लाइसेंसधारी ताजियों को ही अनुमति दी गई है। इस संबंध में सभी को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही थानाधिकारियों भी निर्देश जारी किए गए हैं। थानाधिकारी अपने स्तर पर प्रॉपर मॉनिटरिंग करेंगे। मोहर्रम पर भीड़भाड़ अधिक रहती है, इसे देखते हुए भी पुलिस की ओर से पूरी सतर्कता बरती जाएगी। इसके साथ ही यातायात को लेकर भी माकूल इंतजाम किए जा रहे हैं। अभय कमांड सेंटर की मदद से पूरे शहर में निगरानी रखी जाएगी, अफवाहों को लेकर पुलिस की साइबर सेल की टीमें सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही सादा वर्दी में अलग से जाप्ता तैनात किया जा रहा है, जो बदमाश और असामाजिक प्रवृत्ति के लोगों पर निगरानी रखेंगे जो भी असामाजिक तत्व बदमाशी करने की कोशिश करेंगे। उनके खिलाफ समय रहते कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्येक अभिभावक बेटियों को अवश्य पढ़ायें - संभागीय आयुक्त टीना सोनी

संभागीय आयुक्त ने विरौंधा अंत्योदय शिविर का किया निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर..अंत्योदय शिविर का निरीक्षण करतीं संभागीय आयुक्त टीना सोनी साथ में है सीईओ सोमनाथ

धौलपुर। संभागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी ने शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के तहत उपखण्ड धौलपुर की ग्राम पंचायत विरोंधा में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और वहां दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। डॉ. सोनी ने अधिकारियों और कार्मिकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविर में पहुंचने वाले प्रत्येक पात्र लाभार्थी को सरकार की मंशानुसार योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी रूप से दिया जाए। उन्होंने राजस्व विभाग की स्टॉल पर पत्थरगढ़ी व सीमाज्ञान प्रकरणों के निस्तारण, नामांतरण के लंबित मामलों का निपटारा, रास्तों से जुड़ी समस्याओं का समाधान, विरासत का बंटवारे के प्रकरणों के बारे में जानकारी लेकर शीघ्र एवं अधिकतम निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

बेटियों का मनाया जन्मदिन

शिविर में महिला अधिकारिता विभाग के स्टॉल पर संभागीय आयुक्त ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान के तहत तीन बालिकाओं को उनके जन्मदिन पर केक कटवाकर एवं चॉकलेट एवं उपहार देकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बेटियों के अभिभावकों को उन्हें सशक्त शिक्षा दिलाए जाने हेतु प्रेरणा दी। इस दौरान उन्होंने लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत लाभान्वितों के बारे में जानकारी ली।

दो बच्चों को खीर खिलाकर कराया अन्नप्राशन

शिविर में उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल पर दो बच्चों को खीर खिलाकर प्रथम बार अन्नप्राशन कराया। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को गर्भवती महिलाओं के नियमित पोषण ट्रैकिंग हेतु निर्देश दिए ताकि उनमें एनीमिया जैसी स्थिति को रोका जा सके।उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को विशेष रूप से टीबी मरीजों को निक्षय किट उपलब्ध कराने एवं उपचार के फॉलोअप करने के निर्देश दिए, ताकि टीबी रोगियों को पूर्ण स्वस्थ किया जा सके। इस दौरान उन्होंने एक तब रोगी को निक्षय किट प्रदान की। उन्होंने रोगी को नियमित उपचार कराने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं द्वारा दी जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में उनसे जानकारी ली। उन्होंने पीएचईडी को पेयजल टंकियों की सफाई और लीकेज मरम्मत के कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने एफएचटीसी के बारे में जानकारी लेकर ठेकेदार के माध्यम से सड़कों को दुरुस्त कराए जाने हेतु निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जेवीवीएनएल को नए कनेक्शन शीघ्र जारी करने, वीसीआर प्रकरणों को निपटाने एवं विद्युत लाइनों के पास पेड़ पौधों की छंटाई हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा विभाग को पेंशन सत्यापन, नए आवेदन एवं दिव्यांगों को डिजिटल विशिष्ट पहचान प्रमाण पत्र बनवाए जाने में सहायता करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया।संभागीय आयुक्त ने, ग्रामीण विकास, शिक्षा, कृषि, पशुपालन समेत अन्य विभागों की गतिविधियों की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने एनएफएसए के लंबित प्रकरणों के निस्तारण, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी कराए जाने हेतु निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी सुधा रानी मीना सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

गोवर्धन जा रही पदयात्री महिला को बस ने कुचला, मौके पर मौत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। उपखंड से गुजर रहे हाईवे 11बी पर शनिवार की सुबह गड़रपुरा गांव के पास सड़क हादसा हो गया। एमपी के चिनोनी थाना सबलगढ़ गांव निवासी महिला मुन्नी देवी अपने गांव की अन्य महिलाओं और पुरुषों के साथ शुक्रवार को दिन में मुड़िया पूर्णिमा पर गोवर्धन पदयात्रा के लिए निकली थी। जो शनिवार सुबह सवेरे विशिंगिर बाबा के दर्शन करने के बाद हाईवे पर पहुची और गड़रपुरा गांव के पास सड़क किनारे थोड़ा आराम करने के लिए बैठ गई। इस दौरान जयपुर से धौलपुर की ओर जा रही निजी बस ने महिला मुन्नी देवी को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ग्रामीणों की सूचना पर आंगई थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और अचेत हुई मुन्नी देवी को अपनी जीप से तुरंत बाड़ी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद साथ आये पदयात्रियों ने मृतका के परिजनों को सूचना दी। सूचना पर परिजनों के आने पर आंगई थाना पुलिस ने पंचनामे के बाद 45 वर्षीय मृतका मुन्नी देवी पत्नी गोपी जाटव निवासी चिनोनी थाना सबलगढ़ जिला मुरैना का पोस्टमार्टम कराया है। शव परिजनों को सौंप दिया है।

मृतिका मुन्नी देवी के साथ आए गांव के वकील सिंह और उसकी पत्नी कमलेश ने बताया की मुन्नी देवी उनके साथ ही थी। जो मंजन करने के लिए सड़क किनारे बैठी थी। इस दौरान तेज गति से आई निजी बस ने उनको कुचल दिया और मौके से फरार हो गई।

मृतका के पति गोपी जाटव ने आंगई थाना पुलिस को जो रिपोर्ट दी है। उसमें वीडियो कोच निजी बस जिसका नम्बर यूपी 83 बीटी 1737 राधिका सिकरवार ट्रेवल्स पर घटना का आरोप लगाया है। आंगई थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

» धौलपुर... अस्पताल में मोर्चरी के बाहर मौजूद परिजन और ग्रामीण

जिला परिषद सीईओ, उपखंड धौलपुर ने निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को बांटी पोषण किट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर..टीबी मरीजों को पोषण किट बांटतीं उपखण्ड अधिकारी साधना शर्मा

धौलपुर। शनिवार को उपखण्ड धौलपुर के ग्राम पंचायत विरोधा में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी मरीजो को मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ और उपखंड अधिकारी धौलपुर डॉ. साधना शर्मा के टीबी मरीजों को निक्षय पोषण किट वितरित किये साथ ही निक्षय कवच योजना में स्टीफन बॉक्स, फिनायल, वितरित किए जिससे बैक्टीरिया फैले नहीं। सीएमएचओ डॉ. धर्म सिंह मीणा ने बताया कि निक्षय मित्र योजना सरकार की एक प्रभावी पहल है, जिससे न केवल रोगियों को सहायता मिलती है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। उन्होंने सभी निक्षय मित्रों के प्रयासों की सराहना की। जिला क्षय रोग अधिकारी, डॉ. गोविंद सिंह मीणा ने बताया कि उपखण्ड क्षेत्र में आयोजित किये जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरो के दौरान टीबी मरीजों को निक्षय पोषण कीट उपलब्ध करवाये जाने हेतु अधिक से अधिक प्रयास कर निक्षय मित्र बनाये जा रहे है, ताकि उनके द्वारा टीबी मरीजो पोषण युक्त सामग्री उपलब्ध करवाई जा सके। इस दौरान चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. प्रशान्त निमेष ने निक्षय पोषण योजना के बारे में बताया साथ ही उन्होंने विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान चिकित्सा विभाग द्वारा यूडीआईडी कार्ड, पीएमजेएवाई योजना में पंजीकरण करना, ई-केवाईसी व कार्ड जारी करना, टीबी मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत टीबी मरीजों की पहचान हेतु स्क्रीनिंग करना, गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, 5 वर्ष तक के बच्चो का शिविर में टीकाकरण, एनसीडी कार्यक्रम के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की बीपी व शुगर की जांच व स्क्रीनिंग की जा रही है। इस दौरान जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रेम सैनी, बीपीओ सुमित कुमार शर्मा ने भी मरीजों को जानकारी दी।

देवशयनी एकादशी आज, शिव को सृष्टि का जिम्मा सौंपकर विष्णु लेंगे योग निद्रा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। आषाढ़ शुक्ल एकादशी रविवार को देवशयनी एकादशी है। मान्यता है कि इस दिन प्रभु शिव को सृष्टि की जिम्मेदारी सौंप कर जगत के पालनहार श्री हरि विष्णु चार माह के लिए योग निंद्रा में चले जाएंगे। इसी के साथ सावों पर रोक लग जाएगी। यानी विवाह, गृह प्रवेश सहित शुभ कार्य वर्जित हो जाएंगे। 118 दिन बाद 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर श्री हरि विष्णु पुनः योग निंद्रा से जागेंगे। उसी दिन से मांगलिक कार्य शुरू हो सकेंगे। इससे पूर्व शुक्रवार को भड़ल्या नवमी के अबूझ सावे पर जिले में सैकड़ों विवाह हुए।

» धौलपुर.. मोहर्रम की 9वीं के दिन शहरभर के विभिन्न घरों में रखे गये ताजिये पर दुआ मांगते समुदाय के लोग

बाड़ी : प्राथमिक विद्यालय के भवन की पट्टियां टूटी

स्कूल प्रशासन का आरोप, जर्जर भवन कभी भी हो सकता धराशायी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» बाड़ी.. स्कूल के बरामदे की गिरी हुई पट्टियां

बाड़ी। उपखंड की डांग क्षेत्र स्थित मुतावली गांव का प्राथमिक विद्यालय जर्जर अवस्था में है। बारिश के चलते स्कूल के भवन में बरामदे की पट्टियां अचानक से धराशाई होकर गिर गई है।

जिसके चलते स्कूल प्रशासन परेशान है। बारिश के कारण खुले में भी बच्चों को पढ़ाने में परेशानी हो रही है। मामले की सूचना स्कूल प्रशासन द्वारा शिक्षा विभाग के साथ ग्रामीण सरपंच को दी गई है और समस्या के समाधान की मांग की है।

प्राथमिक विद्यालय मुतावली के संस्था प्रधान राकेश मीणा ने बताया की स्कूल का यह वर्तमान भवन जर्जर हालत में है जो बहुत पुराना है। इसमें दो कमरे और बरामदा है। शुक्रवार को सुबह इसके बरामदे की पट्टियां टूट कर नीचे गिर गई।

उसे वक्त स्कूल नहीं खुला था। अगर वहां बच्चे बैठे होते तो कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था। विद्यालय भवन की बिल्डिंग कभी भी गिर सकती है।

स्कूल के टीचर सौरभ कुमार मीणा ने बताया कि विद्यालय का भवन जिस स्थान पर स्थित है। वहां जब चंबल में तेज बहाव होता है तो बाढ़ आ जाती है। विद्यालय भवन पूर्व में कई बार पानी में डूब चुका है। इसके चलते इसकी इमारत जर्जर हो गई है। स्कूल में 1 से 5 कक्षाओं में दर्जनों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ऐसे में नवीन भवन के निर्माण की जरूरत है। वर्तमान में बारिश के चलते बच्चों को खुले में भी पढ़ाने में परेशानी हो रही है।

» धौलपुर... पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

धौलपुर। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देशन में महज तीन दिन में अति. पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा, वृत्ताधिकारी सैंपऊ अनूप सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी हरेन्द्र सिंह मय जाब्ता की टीम द्वारा महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा व संरक्षण की कार्यवाही में थाना कौलारी की टीम द्वारा नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना कौलारी टीम ने सामूहिक दुष्कर्म करने वाले गुलजारी उर्फ गुंजारीलाल पुत्र कलुआराम जाटव उम्र 20 साल, आकाश कुमार पुत्र विद्याराम जाटव उम्र 22 साल, रवि कुमार पुत्र शिवलू जाटव उम्र 37 साल निवासीगण ईंटकी थाना कौलारी को गिरफ्तार किया गया है।

नाबालिग भांजी का अपहरण कर किया दुष्कर्म, मामा गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में आरोपी मिथुन उर्फ राजू (36) को गिरफ्तार किया है। आरोपी पीड़िता का रिश्तेदारी में मामा लगता है। घटना 15 जून 2025 को हुई, जब आरोपी ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपहरण किया और उसके साथ दुष्कर्म किया। 17 जून 2025 को थाना राजाखेड़ा में शिकायत दर्ज होने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा एवं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा और सीओ मनियां राजेश शर्मा के निर्देशन में थानाधिकारी रामकिशन यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साइबर सेल की सहायता से जांच शुरू की। पीड़िता को बरामद कर लिया गया। जिसने आरोपी द्वारा दुष्कर्म की पुष्टि की। पुलिस ने आरोपी मिथुन उर्फ राजू को चुंगी नाका राजाखेड़ा से गिरफ्तार किया। वहीं दूसरा मामला नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में फूफेरे भाई हरिकेश निषाद निवासी महात्मा नंद की बगीची धौलपुर को भी गिरफ्तार किया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-१, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खोरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।